



को बता दें कि प्रदर्शन में शामिल होकर खान ने कानून का क नहीं है। उल्लंघन किया है। भारत में रहने के दौरान उन्हें देश में ऐसी किसी भी गतिविधियों में शामिल होने की इजाजत नहीं जो ओसीआईए के नियमों के खिलाफ हो। मुम्बई पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इमरान खान के पास विदेशी नागरिकता है। खान के पास भारतीय नागरिकता नहीं है। ऐसे में आप्रवासन लगाया था

केंद्रीय कैबिनेट की बैठक के बाद सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को बताया कि रेलवे के सामने बढ़ते यात्री बत्ताफ के बीच माल ढुलाई क्षमता बढ़ाने, सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित करने और सेवाओं की दक्षता सुधारने की चुनौती है। ऐसे में बोनस का फैसला कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के साथ रेलवे के परिचालन प्रदर्शन को बेहतर बनाए रखने की कोशिश के रूप में महत्वपूर्ण है। हालांकि, सभी कर्मचारियों को समान राशि नहीं मिलेगी। वास्तविक भुगतान पात्रता और निर्धारित गणना के आधार पर होगा। रेलवे कर्मचारियों को उत्पादकता आधारित बोनस हर साल दुर्गापूजा और दशहरा से पहले दिया जाता है।

महिला कृषक दिवस पर महिला किसानों का किया गया सम्मान

कृषि क्षेत्र में महिलाओं का योगदान महत्वपूर्ण – सांसद श्री लालवानी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले के कस्तूरबाग्राम स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग, आत्मा तथा कृषि विज्ञान केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में महिला कृषक दिवस के अवसर पर महिला किसान सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद श्री शंकर लालवानी ने महिला किसानों का सम्मान किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत 'मेरी पॉलिसी मेरे हाथ' कार्यक्रम के तहत किसानों को बीमा पॉलिसियों का वितरण किया गया। साथ ही विभागीय योजनाओं के अंतर्गत बीज तथा चना एवं सरसों के मिनीकिट भी वितरित किए गए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद श्री शंकर लालवानी ने कहा कि कृषि क्षेत्र में महिलाओं का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। महिला किसानों की सक्रिय भागीदारी के बिना खेती को कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाने के लिए शासन द्वारा विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही है। इनमें लखपति दीदी योजना, नमो झेन दीदी योजना तथा राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत कृषि सखियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। आज महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़कर देश और



प्रदेश का नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने किसानों से फसल बीमा कराने की अपील करते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने में सहायक होती है। संयुक्त संचालक कृषि, इंदौर संभाग श्री जितेंद्र कुमार सिंह ने महिला कृषक दिवस पर महिला किसानों का सम्मान करते हुए कृषि एवं खेती-किसानी में उनके योगदान को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने महिला किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से मिट्टी की उर्वरता में सुधार करने के साथ परिवार के लिए शुद्ध अनाज एवं

आयुक्त क्षितिज सिंघल ने भागीरथपुरा क्षेत्र का किया निरीक्षण



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने गुरुवार को भागीरथपुरा क्षेत्र का निरीक्षण कर विभिन्न विकास कार्यों एवं मूलभूत नागरिक सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जलप्रदाय लाइन और सीवरेज लाइन से संबंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा की तथा स्थानीय नागरिकों से चर्चा कर क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति एवं अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान अपर आयुक्त श्री आशीष पाठक, जोनल अधिकारी श्री गीत मनोजा सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आयुक्त श्री सिंघल ने भागीरथपुरा क्षेत्र के भट्ठा बस्ती, कम्पुन्टी हॉल, भागीरथपुरा मेन रोड, शासकीय विद्यालय तथा एमआर-4 क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से जलप्रदाय एवं सीवरेज लाइन के कार्यों की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि प्रभावित क्षेत्र में जलप्रदाय एवं सीवरेज से संबंधित पाइपलाइन का कार्य पूरा हो चुका है और क्षेत्र में पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ जल की आपूर्ति की जा रही है। वहीं, भागीरथपुरा के कुछ हिस्सों में सीवरेज लाइन का कार्य अभी प्रगतिरत है, जिसे शीघ्र पूरा करने की बात कही गई।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने नागरिकों को स्वच्छ एवं सुनिश्चित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से जलप्रदाय व्यवस्था में क्लोरीन परीक्षण की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी लेते हुए निर्धारित मानकों के अनुसार नियमित जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि नागरिकों को सुरक्षित पेयजल प्राप्त सके। आयुक्त श्री सिंघल ने क्षेत्रीय नागरिकों से सीधे संवाद कर पेयजल आपूर्ति एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के बारे में उनकी राय भी जानी। चर्चा के दौरान नागरिकों ने पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ जल मिलने पर संतोष व्यक्त किया। आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों से क्षेत्र में जारी कार्यों की निगरानी करने तथा शेष सीवरेज कार्य को शीघ्र पूर्ण करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

इंदौर पुलिस की सितंबर माह की रैंकिंग जारी, थाना लसूड़िया बना नंबर-1

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर पुलिस कमिश्नरेट ने सितंबर माह में थानों के प्रदर्शन के आधार पर मासिक रैंकिंग जारी की है। बेहतर पुलिसिंग, अपराध नियंत्रण और प्रभावी कार्यवाही के मामले में थाना लसूड़िया ने

पहला स्थान हासिल किया है। वहीं, थाना खजराना दूसरे और थाना राजेंद्र नगर तीसरे स्थान पर रहा। निर्धारित मापदंडों पर मासिक प्रदर्शन के चलते थाना सराफा रैंकिंग में अंतिम स्थान पर रहा।

शहर में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण

स्थापित करने, पुलिस कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाने और आमजन का विश्वास मजबूत करने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में थानों के कार्यों के मूल्यांकन की मानकीकृत व्यवस्था लागू की

गई है। इसके तहत प्रत्येक माह निर्धारित

हैं। इससे उन्हें रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं तथा वे अपने परिवार का बेहतर ढंग से भरण-पोषण करने में सक्षम हो रही हैं।

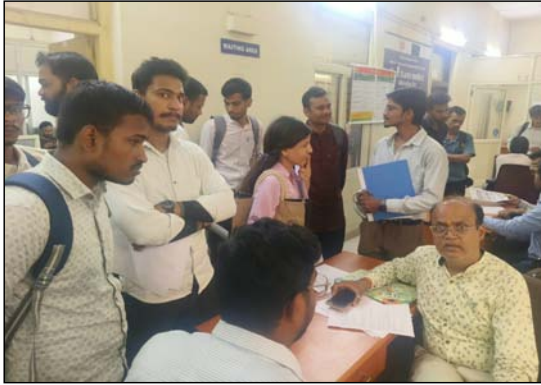
उप संचालक कृषि, इंदौर श्री संदीप यादव ने भी महिला किसानों का सम्मान करते हुए कृषि क्षेत्र में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका और महिला सशक्तिकरण पर प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों से नरवाई नहीं जलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि नरवाई का उचित प्रबंधन कर उसे मिट्टी में मिलाते से मिट्टी की उर्वरता बढ़ने में मदद मिलती है। इस दौरान किसानों को नरवाई प्रबंधन के लिए उपलब्ध उन्नत कृषि यंत्रों की जानकारी भी दी गई।

कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. टेलर ने वर्तमान कृषि परिस्थितियों के अनुरूप किसानों को आवश्यक तकनीकी जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में कृषक प्रशिक्षण केंद्र के प्राचार्य श्री शोभाराम चौहान, सहायक संचालक कृषि श्रीमती नम्रता गुरानानी, श्रीमती रहिम जैन, श्रीमती अंकिता वर्मा, श्रीमती कीर्ति पवार, श्रीमती रेणु, श्रीमती नेहा, श्रीमती भावती चौहान, श्री विजय जाट, श्री देवी सिंह वर्मा, एसडीओ श्री शोभाराम अस्के, कृषि वैज्ञानिक डॉ. मिश्रा एवं डॉ. शुक्ला, कृषि यंत्री श्री एम.के. भार्गव सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी, महिला किसान एवं अन्य किसान उपस्थित रहे।

जिला रोजगार कार्यालय द्वारा आयोजित किया गया एक दिवसीय युवा संगम रोजगार मेला

रोजगार मेले में 276 युवक-युवतियों का विभिन्न पदों पर हुआ प्रारंभिक चयन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन एवं जिला प्रशासन के निर्देशानुसार बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला रोजगार कार्यालय, इंदौर द्वारा 15 अक्टूबर 2026 को एक दिवसीय युवा संगम रोजगार मेले का आयोजन किया गया। रोजगार मेले में 12 निजी कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। विभिन्न रिक्त पदों पर भर्ती के लिए आयोजित साक्षात्कार के माध्यम से कुल 276



युवक-युवतियों का प्रारंभिक चयन किया गया। जिला रोजगार कार्यालय के उप संचालक श्री पी.एस. मण्डलोई ने बताया कि रोजगार मेले में कुल 425 आवेदकों ने पंजीयन कराया, जिनमें 315 युवक एवं 110 युवतियां शामिल थीं। मेले में शामिल 12 कंपनियों द्वारा 250 से अधिक रिक्त पदों पर भर्ती के लिए साक्षात्कार लिए गए। इनमें कुल 276 आवेदकों का विभिन्न पदों पर रोजगार एवं अप्रेंटिसशिप के लिए प्रारंभिक चयन किया गया। चयनित आवेदकों में 198 युवक एवं

78 युवतियां शामिल हैं। रोजगार मेले में डी-मार्ट, पीवीआर, बी-एबल, जस्ट डायल, डिलीवरी एवं अप्पालतो सहित 12 कंपनियों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। कंपनियों द्वारा सर्वेयर, फिटर, टर्नर, सेल्स, इलेक्ट्रिशियन, सेल्स एजीक्यूटिव, टेलीकॉलिंग, डेवलपर, डिजिटल मार्केटिंग इंटरन, पीसीबी एवं प्रोडक्शन हेल्पर, जूनियर टेक्नीशियन, जूनियर एजीक्यूटिव, बिजनेस डेवलपमेंट एजीक्यूटिव, सेल्स ट्रेनि, बैंक ऑफिस एजीक्यूटिव, स्टोर एवं

इंदौर में प्रभावी वाटर पॉलिसी बनाने की तैयारी, महापौर ने प्रबुद्धजनों के साथ किया मंथन

बढ़ती जल मांग, गिरते भूजल स्तर और ट्रीटेड वाटर के उपयोग पर हुई चर्चा, जल संरक्षण के लिए जनभागीदारी पर जोर



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में भविष्य की पेयजल जरूरतों को पूरा करने और जल संरक्षण के प्रभावी उपाय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महापौर पुष्पमित्र भार्गव ने गुरुवार को सिटी बस ऑफिस में शहर के प्रबुद्धजनों, सामाजिक संस्थाओं और मीडिया प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में शहर की वर्तमान जल आपूर्ति व्यवस्था, भूजल स्तर, बढ़ती पेयजल मांग, उपचारित जल (ट्रीटेड वाटर) के पुनः उपयोग और प्रभावी वाटर पॉलिसी तैयार करने को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में अरविन्द तिवारी, सद्गुरु शरण अवस्थी, अमित मंडलोई, अतुल सेठ, मुकेश चौहान, डॉ. एस.एल. गर्ग, डॉ. संदीप नरल सहित अग्न्यास मंडल एवं सेवा सुरभि के पदाधिकारी और अन्य प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। महापौर ने नगर निगम द्वारा वर्तमान में जल आपूर्ति के लिए किए जा रहे कार्यों, उपलब्ध जल संसाधनों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी विस्तृत प्रेजेंटेशन के माध्यम से दी। महापौर पुष्पमित्र भार्गव ने कहा कि पिछले वर्ष इंदौर में कम वर्षा होने और आने वाले समय में पेयजल की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए जल संरक्षण के प्रभावी उपायों पर सामूहिक चर्चा आवश्यक है। बैठक का उद्देश्य प्रबुद्धजनों से व्यावहारिक सुझाव प्राप्त करना और भविष्य की जरूरतों का वैज्ञानिक आकलन करने वाटर पॉलिसी तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ना है।

उन्होंने कहा कि इंदौर की बढ़ती जनसंख्या और तेजी से हो रहे शहरी विस्तार के कारण

पेयजल की मांग लगातार बढ़ रही है। वर्तमान में उपलब्ध जल की तुलना में भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए लगभग दोगुनी मात्रा में पानी की आवश्यकता का अनुमान है। नई कॉलोनियों और बस्तियों में जल आपूर्ति के लिए निजी बोरिंग पर निर्भरता भी एक बड़ी चुनौती बन रही है। महापौर ने बताया कि पिछले वर्ष अक्टूबर की तुलना में इस वर्ष अक्टूबर में टैंकरों का माध्यम से जल आपूर्ति की आवश्यकता बढ़ी है। वर्तमान में नगर निगम द्वारा 300 से अधिक वाटर टैंकरों के माध्यम से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पानी पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने नर्मदा जल के अतिरिक्त उपचारित जल के पुनः उपयोग की संभावनाओं और इस दिशा में नगर निगम द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी भी दी।

बैठक में प्रबुद्धजनों ने जल आपूर्ति व्यवस्था में सुधार, पानी की बर्बादी रोकने और भूजल संसाधनों का वैज्ञानिक आकलन करने के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिए। डॉ. संदीप नरल ने नर्मदा जल आपूर्ति प्रणाली में लीकेज की समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए प्रेशर मैनेजमेंट के आधार पर जल वितरण

प्रणाली की निगरानी करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि लीकेज की समय रहते पहचान और त्वरित मरम्मत से पानी की बर्बादी को काफी हद तक रोक जा सकता है।

डॉ. मुकेश चौहान ने घरेलू स्तर पर पानी के विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देने और उपलब्ध जल संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नागरिकों को दैनिक जीवन में पानी की खपत कम करने और जल संरक्षण के प्रति जागरूक करना आवश्यक है। नईतुनिया के स्टेट एडिटर सद्गुरु शरण अवस्थी ने सुझाव दिया कि शहर में भूजल की वास्तविक उपलब्धता और पानी की खपत का व्यवस्थित आकलन कर वाटर बैलेंस तैयार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार व्यक्ति अपने बैंक बैलेंस की जानकारी रखता है, उसी प्रकार शहर के भूजल भंडार की स्थिति का भी नियमित हिसाब होना चाहिए। इससे उपलब्ध जल संसाधनों के अनुरूप उपयोग की योजना तैयार करने में मदद मिलेगी। उन्होंने इंदौर की जनभागीदारी की परंपरा का उल्लेख करते हुए जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की आवश्यकता बताई। दैनिक भास्कर के एडिटर इन चीफ अमित मंडलोई ने कहा कि वर्तमान जल आपूर्ति व्यवस्था और उपलब्ध संसाधनों की स्थिति को समझने के साथ नागरिकों को जागरूक करना भी जरूरी है। उन्होंने कोविड काल के दौरान नागरिकों द्वारा दिखाए गए सामूहिक सहयोग का उदाहरण देते हुए कहा कि जल संकट की चुनौती से निपटने के लिए भी इसी तरह समन्वय और सहभागिता की आवश्यकता है। उन्होंने सभी क्षेत्रों और नागरिकों तक समानता

के आधार पर पानी का उचित वितरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

अग्न्यास मंडल के रामेश्वर गुप्ता ने इंदौर के प्राचीन कुओं और बावड़ियों के संरक्षण तथा उनके जल के उपयोग की संभावनाओं पर ध्यान देने का सुझाव दिया। उन्होंने बताया कि अग्न्यास मंडल द्वारा स्कूलों और कॉलेजों में विद्यार्थियों के माध्यम से जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं और विद्यार्थियों को भागीदारी से जल संरक्षण के संदेश को व्यापक स्तर तक पहुंचाया जा सकता है। बैठक में तालाबों के आसपास जल पुनर्भरण संरचनाओं के निर्माण, निजी बोरिंग के उपयोग और आवश्यकता के अनुसार उनके अधिग्रहण की संभावनाओं, उपचारित जल के अधिकाधिक उपयोग तथा भूजल स्तर की नियमित निगरानी जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। उपस्थित प्रबुद्धजनों ने जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन, जल वितरण प्रणाली में सुधार और पानी के अपव्यय को रोकने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

महापौर पुष्पमित्र भार्गव ने कहा कि बैठक में प्राप्त सुझावों के आधार पर जल संरक्षण और प्रभावी वाटर पॉलिसी के संबंध में आवश्यक पहल की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जल संरक्षण केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें प्रत्येक नागरिक, सामाजिक संस्था और जनप्रतिनिधि की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। शहर की वर्तमान और भविष्य की पेयजल आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन, जनजागरूकता और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से इंदौर की जल सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में काम किया जाएगा।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत आज शुक्रवार को देपालपुर के बनेड़िया में होगा विशाल शिविर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की संशानुसार शासन-प्रशासन को गांव की चौपाल तक पहुंचाने तथा आमजन को शासकीय योजनाओं और सेवाओं का लाभ सहज रूप से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान 2026 का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 16 अक्टूबर शुक्रवार को देपालपुर के बनेड़िया में मुख्यमंत्री जन-विश्वास शिविर आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत कलेक्टर कार्यालय से अधिकारियों का दल बस से सुबह 8 बजे बनेड़िया के लिए रवाना होकर शिविर स्थल पर पहुंचेगा और आमजन के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं को जानेगा।शिविर में आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों को सुनने के साथ-साथ विभिन्न शासकीय योजनाओं से संबंधित प्रकरणों का मौके पर निराकरण किया जाएगा। विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहकर नागरिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देंगे तथा पात्र हितधारियों से संबंधित आवेदन एवं प्रकरणों पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। अभियान का उद्देश्य शासन की योजनाओं और प्रशासनिक सेवाओं को नागरिकों के और अधिक निकट लाना है, ताकि लोगों को अपनी समस्याओं के निराकरण एवं शासकीय योजनाओं का लाभ लेने के लिए दूरस्थ कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़े। शिविर के माध्यम से विभागीय अधिकारियों द्वारा पात्र हितधारियों को योजनाओं का लाभ दिलाने की प्रक्रिया को सरल एवं सुगम बनाने का प्रयास किया जाएगा।

नवरात्रि में इंदौर पुलिस की शक्ति मोबाइल बनी महिलाओं की सुरक्षा का मजबूत सहारा



संवेदनशीलता से अपनी जिम्मेदारी निभा रही हैं। गर्बा अयोजनों, प्रमुख मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था संभालने के साथ ही पुलिसकर्मियों जरूरतमंदों की सहायता कर रहे हैं। इसी क्रम में शक्ति मोबाइल की टीमों ने बीती रात बीमार महिला को अस्पताल पहुंचाने, देर रात गर्बा से लौट रही अकेली युवती को सुरक्षित घर छोड़ने और परिवार से बिछड़े तीन वर्षीय मासूम को उसकी मां से मिलाने जैसे सराहनीय कार्य किए। पुलिस कमिश्नर इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में शहर के सभी थाना क्षेत्रों में महिला पुलिस बल सहित 15 शक्ति मोबाइल लगातार सक्रिय हैं। ये टीमों प्रमुख मंदिरों, धार्मिक स्थलों, गर्बा पंडालों और मेलों के आसपास पेट्रोलिंग एवं सघन चेकिंग कर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रख रही हैं। साथ ही, महिलाओं और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए त्वरित सहायता उपलब्ध करा रही हैं। बीती रात थाना गांधी नगर क्षेत्र स्थित मां कमलेश्वरी गर्बा मंडल में कोशल देवी नामक महिला की तबीयत अचानक बिगड़ गई। सूचना मिलते ही शक्ति मोबाइल पीसीआर-3 की टीम मौके पर पहुंची और महिला को तत्काल अस्पताल पहुंचाया।

की शर्तों के पालन की जांच की।

प्रवेश नियंत्रण, सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था में लापरवाही पाए जाने पर थाना विजय नगर में आयोजक के खिलाफ अपराध क्रमांक 971/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 223(ए) में प्रकरण दर्ज

किया गया। वहीं, बिना अनुमति परिसर में प्रवेश करने वाले अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध अपराध क्रमांक 970/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 329(1) में मामला दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार, सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर लापरवाही सामने आने के बाद सहायक पुलिस आयुक्त, विजय नगर द्वारा गर्बा आयोजन की शेष अवधि की अनुमति तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी गई। साथ ही, आयोजन स्थल को सील करने की कार्रवाई भी की गई है।



आयोजन की सशर्त अनुमति दी गई थी। अनुमति के साथ सुरक्षा, प्रवेश नियंत्रण और निगरानी संबंधी नियमों का पालन करना अनिवार्य था।

14 अक्टूबर को गर्बा आयोजन के दौरान एक अनधिकृत व्यक्ति बिना प्रवेश-पास के परिसर में दाखिल हो गया। उक्त व्यक्ति नशे की संदिग्ध अवस्था में गर्बा मैदान में लेटा हुआ पाया गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद आयोजन स्थल की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आयोजक द्वारा अनुमति

मंदसौर के कचनारा में दावत का खाना बना जहर, एक ही गांव के 25 लोग बीमार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के दलौदा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कचनारा से फूड पॉइजनिंग का मामला सामने आया है, जहां भोजन करने के बाद अचानक 20 से 25 लोगों की सेहत बिगड़ने लगी। दलौदा थाना क्षेत्र के ग्राम कचनारा में गुरुवार को एक कार्यक्रम के बाद फूड पाइजनिंग से गांव में हड़कंप मच गया। एक कार्यक्रम में भोजन करने के बाद करीब 20 से 25 लोगों की तबीयत बिगड़ गई। जानकारी के अनुसार ग्राम कचनारा में गुरुवार को एक सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

लोगों ने दोपहर में भोजन किया था। भोजन करने के कुछ ही देर बाद कई लोगों को पेट दर्द, उल्टी, दस्त और घबराहट की शिकायत के साथ एक के बाद एक लोगों की हालत बिगड़ती चली गई। इससे कार्यक्रम स्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थिति बिगड़ते देख ग्रामीणों ने तत्काल सभी बीमार लोगों को निजी वाहनों और एम्बुलेंस से नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। अस्पताल में एक साथ इतने मरीजों के आने से स्टाफ भी अलर्ट हो गया और तुरंत इलाज शुरू किया गया। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आ गया। कचनारा चौकी

नीमच मंडी की अत्यवस्थाओं को लेकर सजग हुआ प्रशासन, भाजपा किसान मोर्चा के ज्ञापन पर कलेक्टर ने दिए त्वरित जांच के निर्देश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश की प्रतिष्ठित कृषि उज्ज मंडियों में शुमार नीमच मंडी की व्यवस्थाओं को और अधिक पारदर्शी व किसान-हितैषी बनाने की कवायद शुरू हो गई है। मंडी परिसर में किसानों को आ रही कुछ व्यावहारिक दिक्कतों, हमालों की मनमानी और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को लेकर गुरुवार को भाजपा किसान मोर्चा के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर अपनी बात रखी।

जिला अध्यक्ष राजू नागदा (मोड़ो) के नेतृत्व में पहुंचे इस दल ने कलेक्टर हिमांशु चंद्रा को एक विधिवत ज्ञापन सौंपा। पूरे मामले में कलेक्टर का रुख बेहद संवेदनशील और सकारात्मक रहा। उन्होंने किसानों की सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए मंडी प्रशासन को तत्काल जांच कर सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

अवैध वसूली और आदृत प्रथा

जिला चिकित्सालय में चेस्ट क्लिनिक का हुआ शुभारंभ



नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वायु प्रदूषण से होने वाले हृदय एवं श्वसन संबंधी दुष्प्रभावों की समय पर पहचान, जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला चिकित्सालय नीमच में विशेष चेस्ट क्लिनिक प्रारंभ किया गया है।

इस क्लिनिक के माध्यम से वायु प्रदूषण से प्रभावित व्यक्तियों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की स्क्रीनिंग, आवश्यक चिकित्सकीय जांच, उपचार तथा स्वास्थ्य परामर्श उपलब्ध कराया जाएगा। इससे वायु प्रदूषण के कारण उत्पन्न होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं की समय रहते पहचान कर मरीजों को आवश्यक उपचार एवं उचित चिकित्सकीय मार्गदर्शन प्रदान करने में मदद मिलेगी।

वायु प्रदूषण का हृदय एवं श्वसन तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे में यह क्लिनिक नागरिकों को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने, वायु प्रदूषण से जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा संबंधित बीमारियों की रोकथाम एवं बेहतर प्रबंधन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। क्लिनिक के शुभारंभ अवसर पर डॉ. एम. पाटिल, डॉ. मनीष यादव एवं डॉ. सतीश चौधरी उपस्थित रहे।



प्रभारी भीमसिंह राठौर बल के साथ मौके पर पहुंचे।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धुंधड़का के बीएमओ डा. अभिषेक जैन अपनी मेडिकल टीम के साथ नगरी अस्पताल पहुंचे और मरीजों के उपचार की व्यवस्था संभाली। हल्का पटवारी सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे।

कचनारा में फूड पॉइजनिंग से प्रभावित लोगों का विधायक विपिन जैन ने जाना हाल चाल- विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कचनारा में एक पारिवारिक कार्यक्रम के दौरान फूड पॉइजनिंग की घटना सामने आने से कई लोगों की तबीयत बिगड़ गई। घटना की जानकारी मिलते ही प्रभावित लोगों को उपचार के लिए

अस्पताल पहुंचाया गया। मामले की जानकारी मिलते ही मंदसौर लोकप्रिय विधायक श्री विपिन जैन तत्काल जिला चिकित्सालय पहुंचे और भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम जानी। विधायक ने मरीजों और उनके परिजनों से चर्चा कर उपचार की स्थिति की जानकारी ली तथा चिकित्सकों से भी प्रभावित लोगों के स्वास्थ्य को लेकर जानकारी प्राप्त की। कुछ मरीजों की स्थिति को देखते हुए विधायक विपिन जैन ने तत्काल चिकित्सकों एवं मेडिकल स्टाफ से समुचित उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फूड पॉइजनिंग से प्रभावित प्रत्येक व्यक्ति को समय पर आवश्यक चिकित्सा सुविधा मिले

अस्पताल पहुंचाया गया। मामले की जानकारी मिलते ही मंदसौर लोकप्रिय विधायक श्री विपिन जैन तत्काल जिला चिकित्सालय पहुंचे और भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम जानी। विधायक ने मरीजों और उनके परिजनों से चर्चा कर उपचार की स्थिति की जानकारी ली तथा चिकित्सकों से भी प्रभावित लोगों के स्वास्थ्य को लेकर जानकारी प्राप्त की। कुछ मरीजों की स्थिति को देखते हुए विधायक विपिन जैन ने तत्काल चिकित्सकों एवं मेडिकल स्टाफ से समुचित उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फूड पॉइजनिंग से प्रभावित प्रत्येक व्यक्ति को समय पर आवश्यक चिकित्सा सुविधा मिले

पिपलिया में 25 लाख की चोरी के मामले में एफआईआर दर्ज, आरोपियो को पकड़ने की मांग बड़ी संख्या में त्यापारी और नागरिक चौकी प्रभारी से मिले

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिपलिया बाईपास रोड स्थित बोहरा मस्जिद के पास अजीज हुसैन बोहरा के मकान में लाखों रुपए की बड़ी चोरी के मामले में गुरुवार को पुलिस ने केस दर्ज कर लिया। बदमाश मकान की छत के रास्ते अंदर घुसे और चार कमरों की अलमारियों के ताले तोड़कर सोने-चांदी के आभूषण तथा नकदी चुरा ले गए। शुरुआती अनुमान के अनुसार चोरी में करीब 25 लाख रुपए के नुकसान की आशंका जताई गई है। मामले में पिपलियामंडी पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद गुरुवार को मंडी व्यापारी संघ सहित बड़ी संख्या में व्यापारी, गणमान्य नागरिक और परिजन पुलिस चौकी पहुंचे। सभी ने पुलिस से चोरी की वारदात का शीघ्र खुलासा करने और आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की। नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि सुनील देवरीया सहित अन्य लोगों ने भी घटना को गंभीर बताते हुए कार्रवाई की मांग की। पुलिस में दर्ज एफआईआर के अनुसार फरियादी मोईज हुसैन बोहरा ने बताया कि वह अपने माता-पिता और

और गंभीर मरीजों की विशेष निगरानी रखी जाए। विधायक ने अस्पताल प्रबंधन से उपचार व्यवस्था, आवश्यक दवाइयों एवं चिकित्सकीय निगरानी को लेकर भी जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों से कहा कि मरीजों के उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही न हो तथा आवश्यकता पड़ने पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाएं।

कचनारा में हुए फूड प्वाइजनिंग को लेकर पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसौदिया ने की अधिकारियों से चर्चा- मंदसौर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कचनारा में बसंती लाल जी राठौर तेली समाज में पारिवारिक कार्यक्रम के दौरान फूड प्वाइजनिंग होने से 33 लोग प्रभावित हुए हैं। जिन्हें प्राथमिक उपचार के लिए नगरी चिकित्सालय में भर्ती किया गया है। इस घटना पर पूर्व विधायक तथा भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता यशपाल सिंह सिसौदिया ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आर. के. द्विवेदी, चौकी प्रभारी भीम सिंह राठौर तथा ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर अभिषेक जैन से दूरभाष पर चर्चा की। डॉ जैन ने बताया कि सभी मरीज स्टेबल है, खरों की कोई बात नहीं है। नगरी में प्राथमिक उपचार कर दिया गया है। पांच मरीजों को जिला चिकित्सालय मंदसौर रेफर किया गया है, वह भी खरों से बाहर हैं।

पिपलिया में 25 लाख की चोरी के मामले में एफआईआर दर्ज, आरोपियो को पकड़ने की मांग बड़ी संख्या में त्यापारी और नागरिक चौकी प्रभारी से मिले



परिवार के अन्य सदस्यों के साथ बहन की शادی में शामिल होने रतलाम गया हुआ था। इसी दौरान अज्ञात बदमाशों ने मकान को निशाना बनाया। 14 अक्टूबर को दोपहर करीब 3.30 बजे पड़ोसी काईद जोहर हैदरी ने फोन कर सूचना दी कि मकान के मुख्य दरवाजे पर बाहर से ताला लगा हुआ है, लेकिन ऊपर छत का दरवाजा खुला है। सूचना मिलने पर पड़ोसी ने डायल 112 पर पुलिस को खबर दी। पुलिस के पहुंचने के बाद पड़ोसी छत के रास्ते मकान के अंदर पहुंचे तो घर का सामान बिखरा मिला। मकान के चार कमरों में रखी

लाखों खर्च करने के बाद भी बुनियादी सुविधा को तरस रहे नए बस स्टैंड के 50 दुकानदार

छत पर जाने के लिए सीढ़ियां तक नहीं, जान जोखिम में डालकर टकियां साफ करने को मजबूर व्यापारी

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर परिषद सिंगोली द्वारा निर्मित नए बस स्टैंड परिसर के व्यापारियों को दुकानों के आवंटन के बाद भी बुनियादी समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। परिसर की सभी 50 दुकानों के दुकानदारों ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी को एक संयुक्त ज्ञापन सौंपकर छत पर जाने के लिए स्थायी और सुरक्षित सीढ़ियों के निर्माण की पुर्जोर मांग की है। दुकानदारों का कहना है कि नगर परिषद ने दुकानें तो बना दीं, लेकिन छत पर जाने का रास्ता बनाना भूल गई, जिससे व्यापारियों के हितों और सुरक्षा के साथ खिलवाड़ हो रहा है।

जान जोखिम में डालकर चढ़ते हैं ऊपर, बना रहता है हृदय से का डर- ज्ञापन में दुकानदारों ने अपना दर्द बयां करते हुए कहा कि नए बस स्टैंड की इन 50 दुकानों की छत पर पहुंचने के लिए वर्तमान में कोई भी सीढ़ी या सुरक्षित रास्ता उपलब्ध नहीं है। ऐसे में दुकानदारों को अपनी दुकानों की छतों की नियमित साफ-सफाई करने तथा पानी की टंकियों के रखरखाव व सफाई के लिए अत्यंत जोखिम भरे तरीकों का



सहारा लेना पड़ता है। हमेशा किसी बड़ी दुर्घटना या अग्रिय घटना की आशंका बनी रहती है। व्यापारियों का कहना है कि लाखों रुपये खर्च करने के बाद भी यदि उन्हें अपनी ही दुकान की छत पर जाने के लिए इस तरह की प्रताड़ना और डर का सामना करना पड़े, तो यह प्रशासन की बड़ी लापरवाही है।

व्यापार पर पड़ रहा असर, छतों पर जमा कचरे से दुकानों में सीलन का खतरा- दुकानदारों के अनुसार, समय पर साफ-सफाई न होने के कारण छतों पर धूल-मिट्टी और कचरे का अंबार लग रहा है। आगामी दिनों में बारिश के मौसम के दौरान छतों पर भारी जलभराव होने, गंदगी फैलने और पानी टपकने के कारण दुकानों में रखा लाखों रुपये का माल खराब होने की पूरी आशंका है। यदि समय रहते सीढ़ियों का निर्माण नहीं कराया गया, तो

दुकानदारों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। इस अव्यवस्था से न केवल सार्वजनिक स्वच्छता प्रभावित हो रही है, बल्कि व्यापारियों का व्यवसाय भी सीधे तौर पर प्रभावित हो रहा है।

उदासीनता के खिलाफ आक्रोश, त्वरित कार्रवाई की मांग- समस्या से पीड़ित सभी 50 दुकानदारों ने एकजुट होकर सामूहिक हस्ताक्षर युक्त आवेदन नगर परिषद को सौंपा है। व्यापारियों का कहना है कि वे हर नियम का पालन करते हैं और परिषद को पूरा सहयोग देते हैं, इसलिए प्रशासन को भी व्यापारियों की सुरक्षा और अधिकारों का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने मांग की है कि दुकानदार हित, मानवीय सुखा और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए दुकानों की छत पर जाने के लिए उचित व लोहे या कंक्रीट की मजबूत सीढ़ियों का निर्माण तत्काल प्रभाव से करवाया जाए। व्यापारियों ने चेतावनी भी लहजे में कहा है कि यदि इस गंभीर और जायज समस्या का शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो समस्त दुकानदार उग्र आंदोलन और चरणबद्ध प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगे।

लाखों खर्च करने के बाद भी बुनियादी सुविधा को तरस रहे नए बस स्टैंड के 50 दुकानदार

लोहे और लकड़ी की अलमारियों के ताले टूटे हुए थे। शाम को परिवार के सदस्य रतलाम से वापस पहुंचे और घर में रखे सामान की जांच की तो चोरी का पता चला। इसके बाद चोरी गए आभूषणों और नकदी की जानकारी जुटाकर पुलिस को रिपोर्ट दी गई। फरियादी की रिपोर्ट के मुताबिक, बदमाश घर से चार सोने की चूड़ियां, सोने का पेंडल और चैन, चार सोने के झुमके, दो सोने के पेंडल, चार सोने की अंगुठियां और सोने के दो सिक्के चोरी कर ले गए। इनमें एक पेंडल पर या अली लिखा हुआ बताया गया है। इसके अलावा करीब 500 ग्राम चांदी और एक लाख रुपए नकद भी गायब मिले। परिवार ने आसपास तलाश की, लेकिन आरोपियों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी।प्रारंभिक तौर पर चोरी में करीब 25 लाख रुपए के नुकसान का अनुमान जताया गया है। हालांकि, चोर गए सामान के वास्तविक मूल्य का अंतिम आकलन जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। पिपलियामंडी पुलिस ने 15 अक्टूबर को फरियादी की मौखिक रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(4) और 305(ए) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। मामले की जांच उपनिरीक्षक रितेश डामोर को

सौंपी गई है। डामोर ने बताया पुलिस अब आरोपियों की पहचान करने और चोरी की वारदात का पता लगाने में जुटी है। शीघ्र ही चोरों को पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इधर चोरी की घटना के बाद जिला कांग्रेस सचिव अनिल शर्मा, नगर कांग्रेस अध्यक्ष किशोर उणीयारा, कांग्रेस नेता दिनेश गुप्ता, मंडलम अध्यक्ष पंकज बोराना और भेरूपू गुर्जर सहित अन्य नेता अजीज बोहरा के निवास पर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली। इसके बाद जिला कांग्रेस सचिव अनिल शर्मा ने थाना प्रभारी विक्रम सिंह इवने से चर्चा कर चोरी की वारदात का शीघ्र खुलासा करने की मांग की। उन्होंने कहा कि पुलिस को इस घटना को चुनौती के रूप में लेते हुए आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तार करना चाहिए, ताकि क्षेत्र के लोगों में सुरक्षा का भरोसा कायम हो सके। शर्मा ने बताया कि कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर पिपलिया थाने में पुलिस बल बढ़ाने की मांग करेगा। उनका कहना है कि क्षेत्र में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पर्याप्त पुलिस बल, प्रभावी रात्रि गश्त और सदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी जरूरी है।

जावद की सियासत में भूचाल: सिंगोली सौर ऊर्जा प्लांट की आड़ में गरीबों के हक पर डाके का आरोप, कांग्रेस आक्रामक

1000MW उत्पादन के बाद भी जावद अंधेरे में, तो आवादा को कौड़ियों के दाम जमीन क्यों? प्रकाश रांका

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले के सिंगोली क्षेत्र में प्रस्तावित आवादा रूप के मेगा सौर ऊर्जा प्लांट को लेकर जावद विधानसभा क्षेत्र की राजनीति में एक बड़ा मोड़ आ गया है। जावद से कांग्रेस के कद्दवर नेता और वरिष्ठ अधिवक्ता प्रकाश रांका ने इस परियोजना के पीछे चल रहे एक बड़े कथित भूमि घोटाले और गरीबों के आर्थिक शोषण का पर्दाफाश किया है।

श्री रांका ने सीधे तौर पर कंपनी के दलालों के आतंक, प्रशासनिक तंत्र की रहस्यमयी खामोशी और क्षेत्रीय विधायक व पूर्व मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा की चुपची पर तीखे तौर छोड़े हैं।

उप्रा-धमकाकर अंगुठे लगवाने का खेल, प्रशासन क्यों है मौन- अधिवक्ता प्रकाश रांका ने बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि विगत दो वर्षों से आवादा कंपनी के प्रबंधक और उनके बिचौलिए सिंगोली के ग्रामीण इलाकों में पैर पसारें हुए हैं। क्षेत्र

के सीधे-साधे, कम पढ़े-लिखे गरीब और भूमिहीन किसानों को डराया-धमकाया जा रहा है। उनकी बेशर्कमती शासकीय पट्टों की जमीनों को मात्र 10 से 15 हजार रुपये की मामूली रकम देकर एग्रिमेंट (करार) के जाल में फंसाया जा रहा है।

श्री रांका ने इस पूरे खेल के पीछे विधक (कानूनी) पैंच को उजागर करते हुए कहा, 20 सूर्यीय कार्यक्रम के तहत समाज के सबसे कमजोर तबके को दिए गए सरकारी पट्टे पूरी तरह से अहस्तांतरणीय होते हैं। कानून की नजर में इन जमीनों को तो हस्तांतरण हो सकता है और न ही कोई निजी लीज हो सकती है।

फिर प्रशासन की नाक के नीचे ये एग्रिमेंट कैसे



हो रहे हैं? यह पूरी तरह से विधिक धोखाधड़ी है और ये सारे दस्तावेज रद्दी के टुकड़े के समान शून्य हैं।

जावद अंधेरे में डूबा है, तो इस नए प्लांट का औचित्य क्या-विकास के बड़े-बड़े दावों को आड़े हाथों लेते हुए कांग्रेस नेता रांका ने जनता के हक में एक बेहद तार्किक और बुनियादी सवाल दागा।

उन्होंने पूछा कि सिंगोली के भगवानपुरा और बड़ी जैसे क्षेत्रों में पहले से ही करीब 1,000 मेगावाट बिजली का भारी-भरकम उत्पादन हो रहा है। इसके बावजूद जावद विधानसभा क्षेत्र का किसान, व्यापारी और आम नागरिक अशोषित बिजली कटौती और अंधेरे से जूझ रहा है।

उन्होंने पूछा, जब हमारे क्षेत्र की धरती से पैदा होने वाली बिजली का लाभ स्थानीय जनता को नहीं मिल रहा, स्थानीय युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा,

तो फिर किसानों की आजीविका और पशुओं के चरगाहा छीनकर एक और नई निजी कंपनी को जमीन सौंपने का क्या औचित्य है? इस परियोजना से जावद की जनता को क्या लाभ मिलने वाला है?

विधायक जी को खुली राजनीतिक और नैतिक चुनौती- क्षेत्रीय विधायक ओमप्रकाश सखलेचा को सीधे कटथरे में खड़ा करते हुए श्री रांका ने कहा कि क्षेत्र के जनप्रतिनिधि को इस पूरे दमन चक्र और दलालों की सक्रियता की पल-पल की जानकारी होगी। इसके बावजूद वे सब कुछ जानकर भी अनजान बनने का बेहतरीन अभिनय कर रहे हैं। पूंजीपतियों और बड़ी कंपनियों के फायदे के लिए गरीबों के हितों की अनदेखी की जा रही है।

श्री रांका ने विधायक से कहा, यदि वास्तव में स्वयं को किसानों और क्षेत्र की जनता का सच्चा रखवाला और जनप्रतिनिधि मानते हैं, तो वे तुरंत समान आएं। अपनी सरकार और राजनैतिक रसूख का इस्तेमाल कर इन सभी अवैध एग्रिमेंटों की उच्च

स्तरीय जांच करवाई और इन्हें तत्काल प्रभाव से सरकारी तौर पर कैसिल (निरस्त) करवाकर दिखाएं, वरना जनता उनका असली चेहरा पहचान चुकी है।

गरीबों से अपील— कानून से ऊपर कोई नहीं, मैं मुफ्त लड़ूंगा। आपकी विधिक लड़ाई- पूर्व जिला उपाध्यक्ष प्रकाश रांका ने सिंगोली और जावद क्षेत्र के सभी प्रभावित पट्टाधारकों, किसानों और स्थानीय नागरिकों से निर्भीक रहने की अपील की है। उन्होंने कहा, आप इस माटी के मूल निवासी हैं। आपकी जमीनों का फैसला किसी की दबाई से नहीं, बल्कि देश के कानून और वैध दस्तावेजों से होगा।

अपने मूल पट्टे संभालकर रखिए और किसी के दबाव में मत आइए- एडवोकेट रांका ने स्पष्ट घोषणा की है कि वे इस लड़ाई में पूरी तरह गरीबों के साथ खड़े हैं। वे न केवल इस मुद्दे को प्रशासन के सामने पूरी ताकत से उठाएंगे, बल्कि प्रभावित गरीब परिवारों के हक के लिए अदालत में मुफ्त कानूनी लड़ाई भी लड़ेंगे।

ग्राम पालसोड़ा में 25 पशुपालकों को उन्नत हरा चारा उत्पादन के लिए मिनीकिट वितरित

कृषि विज्ञान केंद्र नीमच द्वारा क्लस्टर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन कार्यक्रम के तहत जई की उन्नत किस्म 'केंट' के मिनीकिट का नि:शुल्क वितरण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में पशुपालकों को पौष्टिक हरा चारा उपलब्ध कराने तथा पशु पोषण प्रबंधन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कृषि विज्ञान केंद्र, नीमच द्वारा ग्राम पालसोड़ा में क्लस्टर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत 25 पशुपालकों को जई की उच्च उत्पादक किस्म 'केंट' के मिनीकिट नि:शुल्क वितरित किए गए।

कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिकों ने पशुपालकों को खी मौसम में दुग्धार पशुओं के लिए पौष्टिक हरे चारे की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जई का हरा चारा प्रोटीन एवं अन्य आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसे पशुओं के आहार में शामिल करने से उनके पोषण, स्वास्थ्य तथा दुग्ध उत्पादन क्षमता में सुधार में मदद मिल सकती है।



इस दौरान पशुपालकों को जई की समय पर बुवाई, बीज दर, उर्वरक प्रबंधन एवं वैज्ञानिक कटाई पद्धतियों की जानकारी भी दी गई। साथ ही संतुलित पशु आहार और बेहतर पशु पोषण प्रबंधन के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. ए.आर. धाकड़ ने पशु पोषण में हरे चारे के महत्व को रेखांकित करते हुए पशुपालकों को 'गौरस ऐप' के माध्यम से संतुलित पशु आहार संबंधी जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

जिले में वितरित किए गए 1,517 मिनीकिट- जिले में हरा चारा उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए पशुपालन विभाग द्वारा विभिन्न माध्यमों से मिनीकिट वितरित किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत आत्मा परियोजना के माध्यम से 186, सीएसआर के माध्यम से 1,000, विभागीय स्तर पर 306 तथा कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से 25 मिनीकिट वितरित किए गए हैं। इस प्रकार जिले में कुल 1,517 मिनीकिट का वितरण किया गया है।

कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. पवौरी, डॉ. एस.एस. सारंगदेवोत, डॉ. पी.एस. नरुक्का, डॉ. जी.पी. सिंह, उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. ए.आर. धाकड़ तथा पशु चिकित्सालय पालसोड़ा के डॉ. के. मालवीय सहित जनपद एवं ग्राम पंचायत के प्रतिनिधि और संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले की 243 ग्राम पंचायतों में जनभागीदारी से बोरी बंधान कार्य प्रारंभ

जल संरक्षण, भूजल संवर्धन और कृषि भूमि में नमी बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन की पहल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में जल संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए जनभागीदारी से बोरी बंधान का कार्य प्रारंभ किया गया है। इसके तहत जिले की सभी 243 ग्राम पंचायतों में स्थानीय स्तर पर जल संरचनाओं को



चिह्नित कर पानी के बहाव को नियंत्रित करने और जल संचयन को प्रोत्साहित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अमन वैष्णव के मार्गदर्शन में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा यह पहल की जा रही है। इसके अंतर्गत पुराने बोरों में मिट्टी एवं रेत भरकर तालाबों, केकडम, स्टॉपडैम, नहरों तथा अन्य जल संरचनाओं के आसपास आवश्यकतानुसार बोरी बंधान किया जा रहा है, ताकि पानी के बहाव की गति कम हो और उसका अधिक समय तक संचयन किया जा सके।

जल संरचनाओं के संरक्षण के साथ जल संचयन पर

जोर- ग्राम पंचायतों में बोरी बंधान के साथ ही आवश्यकता के अनुसार स्टॉपडैम पर कड़ी शटर लगाने तथा मिट्टी के बांध बनाने जैसे कार्य भी किए जा रहे हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य उपलब्ध जल संसाधनों का बेहतर उपयोग करना और वर्षा जल को अधिक समय तक

रोककर रखना है। स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप किए जा रहे ये कार्य ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण को बढ़ावा देने में सहायक होंगे। किसानों और पशुपालकों को मिलेगा लाभ- बोरी बंधान से पानी के बहाव को नियंत्रित करने तथा जल संरचनाओं में जल उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिल सकती है। इससे आसपास की कृषि भूमि में नमी बनाए रखने, भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा देने और सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता में सुधार की संभावना है। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में पशुओं के लिए पेयजल की उपलब्धता बनाए रखने में भी ये प्रयास उपयोगी साबित हो सकते हैं।

सम्पादकीय

सत्ता से सवाल या त्ववस्था में त्ववधान?

भारत में शांतिपूर्ण सभा का अधिकार लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण आधार है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ख) सभी नागरिकों को शांतिपूर्वक और बिना हथियारों के एकत्र होने का मौलिक अधिकार प्रदान करता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनसभाएँ, धरने, प्रदर्शन और रैलियाँ केवल असहमति व्यक्त करने के माध्यम नहीं हैं, बल्कि नागरिकों को अपनी माँग रखने, सरकार से जवाबदेही सुनिश्चित करने और सार्वजनिक नीतियों को प्रभावित करने का अवसर भी देती हैं। वर्तमान भारत में विरोध-प्रदर्शनों की अनुमति, सार्वजनिक स्थानों पर प्रतिबंध, सड़क जाम और निवारक कानूनी प्रावधानों को लेकर होने वाली बहस ने इस अधिकार की प्रासंगिकता को और बढ़ा दिया है।

भारत का स्वतंत्रता आंदोलन सामूहिक लामबंदी और शांतिपूर्ण प्रतिरोध की शक्ति का ऐतिहासिक उदाहरण है। महात्मा गांधी के सत्याग्रह ने यह सिद्ध किया कि अहिंसक जनभागीदारी अन्यायपूर्ण व्यवस्था को चुनौती देने का प्रभावी माध्यम बन सकती है। स्वतंत्रता के बाद भी भ्रष्टाचार, सामाजिक न्याय, पर्यावरण संरक्षण, महिला अधिकारों, रोजगार और किसानों से जुड़े मुद्दों पर विभिन्न आंदोलनों ने सार्वजनिक विमर्श को प्रभावित किया है। शांतिपूर्ण प्रदर्शन उन नागरिकों और समुदायों को अपनी बात रखने का अवसर देते हैं, जिनकी समस्याओं को सामान्य परिस्थितियों में पर्याप्त म भ ङ्ङ्ङ्ङ्ङ्ङ हत्त्व नहीं मिल पाता।

शांतिपूर्ण सभा का अधिकार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से भी गहराई से जुड़ा है। अनुच्छेद 19(1)(क) नागरिकों को वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान करता है, जबकि अनुच्छेद 19(1)(ख) उन्हें सामूहिक रूप से अपनी बात रखने का अवसर देता है। प्रदर्शन सरकार को अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करने, प्रशासनिक कमियों को दूर करने और जनता की समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। इस दृष्टि से शांतिपूर्ण असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी जीवंतता और उत्तरदायित्व का प्रमाण है।

वर्तमान भारत में कृषि नीतियों, नागरिकता, बेरोजगारी, भत्तों परीक्षाओं, आरक्षण, पर्यावरण और अन्य सार्वजनिक मुद्दों पर होने वाले विरोध-प्रदर्शन इस अधिकार के महत्त्व को दर्शाते हैं। दूसरी ओर, सड़कों पर लंबे समय तक धरना देने, सार्वजनिक सभाओं पर प्रतिबंध लगाने, इंटरनेट सेवाएँ बंद करने तथा निवारक आदेशों के प्रयोग को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। मुख्य चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर नागरिकों की वैध असहमति को दबाया न जाए।

संविधान शांतिपूर्ण सभा के अधिकार को असीमित नहीं मानता। अनुच्छेद 19(3) के अंतर्गत भारत की संप्रभुता एवं अखंडता और लोक व्यवस्था के हित में इस अधिकार पर युक्तियुक्त प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। ऐसे प्रतिबंध इसलिए आवश्यक हैं, क्योंकि प्रदर्शनकारियों के अधिकारों के साथ-साथ अन्य नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना भी राज्य की जिम्मेदारी है। हिंसा, धमकी, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाना और जनसुरक्षा के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करना लोकतांत्रिक विरोध के नाम पर उचित नहीं उहराया जा सकता। इसी प्रकार, आवश्यक मार्गों पर लंबे समय तक अवरोध उत्पन्न होने से मरीजों, आपातकालीन सेवाओं, दैनिक यात्रियों, व्यापारियों और स्थानीय निवासियों को परेशानी हो सकती है।

शाहीन बाग विरोध-प्रदर्शन से संबंधित अमित साहनी बनाम पुलिस आयुक्त (2020) मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक सड़कों और स्थानों पर अनिश्चितकाल तक ऐसा कब्जा नहीं किया जा सकता, जिससे अन्य लोगों का आवागमन बाधित हो। इस निर्णय ने विरोध-प्रदर्शन के अधिकार और आम जनता के अधिकारों के बीच संतुलन की आवश्यकता को रेखांकित किया। हालाँकि, इसका अर्थ यह नहीं है कि सार्वजनिक स्थानों पर प्रत्येक प्रदर्शन प्रतिबंधित किया जा सकता है। प्रशासन को शांतिपूर्ण प्रदर्शन से होने वाली सामान्य असुविधा और गंभीर या लंबे समय तक चलने वाले अवरोध के बीच अंतर करना चाहिए।

इसी प्रकार, मजदूर किसान शक्ति संगठन बनाम भारत संघ (2018) मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने सार्वजनिक स्थानों पर प्रदर्शन के अधिकार और अन्य नागरिकों के हितों के बीच संतुलन से जुड़े प्रश्नों पर विचार किया। ऐसे न्यायिक निर्णय यह स्पष्ट करते हैं कि न तो विरोध-प्रदर्शन का अधिकार असीमित है और न ही सरकार की नियमन करने की शक्ति।

सहजयोग में हवन - आत्मचिंतन, समर्पण और आंतरिक शुद्धि का माध्यम



नवरात्रि के अवसर पर हवन का विशेष महत्व माना जाता है। सहज योग में हवन केवल अग्नि में आहुति देने की परंपरा नहीं, बल्कि अपने भीतर की नकारात्मकता को पहचानकर उससे मुक्त होने और आत्मिक शुद्धता की ओर बढ़ने का एक माध्यम है।

हवन - वातावरण की शुद्धि से आध्यात्मिक उन्नति तक भारतीय संस्कृति में हवन को सदियों से पवित्र धार्मिक अनुष्ठान के रूप में महत्व दिया गया है। सामान्य मान्यता है कि हवन से वातावरण में पवित्रता का भाव उत्पन्न होता है और मन को शांति मिलती है। हवन में अग्नि को समर्पण, पवित्रता और सकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है। यही कारण है कि नवरात्रि की अष्टमी और नवमी को हवन करने की परंपरा है।

आस्था है कि हवन के माध्यम से देवी-देवताओं के प्रति श्रद्धा और समर्पण व्यक्त किया जाता है तथा सुख, शांति और समृद्धि की कामना की जाती है। इस प्रकार हवन हमारी धार्मिक परंपराओं से जुड़ने के साथ-साथ अपने भीतर सकारात्मक भावों को जागृत करने का अवसर भी प्रदान करता है।

सहज योग में हवन का विशेष स्वरूप- सहज योग की दृष्टि में आध्यात्मिक उन्नति का वास्तविक आधार आत्मसाक्षात्कार और ध्यान है। सहज योग हमें यह अनुभव करने की प्रेरणा देता है कि ईश्वर की अनुभूति बाहरी कर्मकांड तक सीमित नहीं है, बल्कि उसे अपने भीतर भी खोजा जा सकता है। ध्यान के माध्यम से हम अपने सूक्ष्म तंत्र में स्थित चक्रों और नाडियों के प्रति सजग होते हैं। मंत्रों और श्लोकों के उच्चारण के साथ देवी-देवताओं के गुणों का स्मरण करते हुए हम अपने जीवन में उन सदगुणों को अपनाने का प्रयास करते हैं।

मानव जीवन में अनेक परिस्थितियाँ हमारे मन को प्रभावित करती हैं। किसी व्यक्ति का अत्याशासित व्यवहार, बीती हुई घटनाएँ, अनावश्यक चिंताएँ या समाज और संस्कार की परिस्थितियाँ हमारे भीतर विचारों और भावनाओं का बोझ उत्पन्न कर सकती हैं। कभी-कभी यही बोझ ध्यान में एकाग्रता और आंतरिक शांति के अनुभव में बाधा बन जाता है।

सहज योग की सूक्ष्म तंत्र संबंधी अवधारणा में ईड़ा नाड़ी को चंद्र नाड़ी भी कहा जाता है। इसे मन, भावनाओं और अतीत से जुड़ी प्रवृत्तियों के साथ संबंधित माना जाता है। जब हम इन प्रभावों से अत्यधिक घिर जाते हैं, तो अपने भीतर संतुलन और सहजता बनाए रखना कठिन हो सकता है। सहज योग में ध्यान व अग्नि तत्व के माध्यम से ईड़ा नाड़ी से संबंधित नकारात्मकता को दूर किया जाता है।

सहज योग में सामूहिक हवन - नकारात्मकता से मुक्ति का प्रयास - नवरात्रि के पावन अवसर पर सहज योग में भी सामूहिक हवन का आयोजन किया जाता है। इस प्रक्रिया में साधक अपने हार्थों से प्रवाहित होने वाली चैतन्य अनुभूति के माध्यम से अपनी ईड़ा नाड़ी से संबंधित असंतुलन और नकारात्मकता को दूर करते हैं।

सामूहिक हवन का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि अनेक साधक एक साथ आध्यात्मिक साधना में सहभागी बनते हैं। इससे सामूहिकता, श्रद्धा और आत्मिक उन्नति के प्रति समर्पण का भाव प्रबल होता है। इस प्रकार सहज योग में हवन का उद्देश्य केवल बाहरी वातावरण की पवित्रता तक सीमित नहीं रहता, बल्कि साधक को अपने भीतर झाँकने, अपनी कमियों को पहचानने और उनसे ऊपर उठने की प्रेरणा भी देता है।

पंजाब की धरती कभी शौर्य, पराक्रम, मेहनत, उद्यमशीलता और जीवटता के लिए जानी जाती थी। इसी मिट्टी के नौजवानों ने देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी और खेतों में पसीना बहाकर देश का अन्न भंडार भरा। लेकिन आज उसी पंजाब की पहचान नशे के बढ़ते कारोबार, युवाओं की बर्बादी और ड्रग्स माफिया के बढ़ते प्रभाव से जुड़ती जा रही है। यह केवल एक राज्य की सामाजिक त्रासदी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, शासन-व्यवस्था और राजनीतिक इच्छाशक्ति की गंभीर परीक्षा है। जिस पंजाब के युवाओं के हाथों में कभी तलवार, हल और तिरंगा शोभा देते थे, वहां आज नशे ने अनेक हाथों को बेबस और अनेक परिवारों को बदहवास कर दिया है। विडंबना देखिए कि नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी जिन पुलिसकर्मियों की है, यदि उन्हीं के घर से करोड़ों रुपये की हेरोइन बरामद होने की खबर सामने आती है, तो यह व्यवस्था के लिए खतरे की घंटी है। पंजाब में एक पुलिस कांस्टेबल के घर से कथित तौर पर 40 करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद होने का मामला इसी सड़ांध की ओर संकेत करता है। यह घटना महज एक आपराधिक प्रकरण नहीं, बल्कि उस व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न है, जिसमें अपराध रोकेने के लिए नियुक्त व्यक्ति ही कथित तौर पर अपराध के संदेह के घेरे में आ जाए। यह तो वही स्थिति हुई कि ‘बाड़ ही खेत को खाने लगे’, तो फसल की रखवाली कौन करेगा? जिस पुलिस के कंधों पर नशा तस्करों को पकड़ने का दायित्व है, यदि उसी व्यवस्था के भीतर ऐसे तत्व पनपने लगे, तो आम नागरिक का भरोसा डगमगाना स्वाभाविक है। इस मामले में निष्पक्ष जांच, दोषियों की पहचान और कठोर कानूनी कार्रवाई जरूरी है। किसी व्यक्ति को केवल आरोप के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन वदी की आड़ में अपराध करने वाले किसी भी व्यक्ति को कानून से बचने का अवसर भी नहीं मिलना चाहिए।

पंजाब में नशे का कारोबार अब गलियों, गांवों और कस्बों तक अपनी जड़ें फैला चुका है। कभी नशे की समस्या को सीमावर्ती क्षेत्रों या शहरी युवाओं तक सीमित माना जाता था, लेकिन आज सिंथेटिक ड्रग्स सहित विभिन्न मादक पदार्थों की उपलब्धता ने संकट को और

भारत के भविष्य से खिलवाड़

लगता है कि भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने और लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई मोदी सरकार को अस्थिर करने की काँग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा पश्चिमी देशों और वैश्विक संस्थाओं के समक्ष की गई अपील अब असर दिखाने लगी है। एक के बाद एक चुनावों में भाजपा को हारने में नाकाम रहने वाले राहुल गांधी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यही राग अलापते रहे कि पश्चिमी देश भारत में %लोकतंत्र की पुनर्स्थापना% के लिए मदद नहीं कर रहे हैं। हालाँकि अंतरराष्ट्रीय ताकतों से भारत के घरेलू मामलों में दखल देने की इस शर्मनाक अपील को उस समय कोई खास तवज्जो नहीं मिली थी, लेकिन अब ऐसा प्रतीत होता है कि पश्चिमी देशों और खुद भारत के भीतर सक्रिय शक्तियों के बीच साटगांठ मजबूत होती जा रही है।

यह एक विचित्र दुयोग है कि जब काँग्रेस ने देश में अराजकता को बढ़ावा देकर मोदी सरकार को अस्थिर करने की व्यापक मुहिम शुरू की, उसी दौरान संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त के कार्यालय ने भारत को लोकतांत्रिक मूल्यों एवं परंपराओं पर नसीहत देना शुरू कर दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने उसे दो-टुक जवाब देकर बिल्कुल सही किया कि वह अपने काम से काम रखे। इतना ही नहीं, भारत ने इस एजेंसी को आईना भी दिखाया कि उसके पड़ोसियों पाकिस्तान और बांग्लादेश में लोगों के दमन पर उसने कैसे आंखें मूंद रखीं।

आखिर संयुक्त राष्ट्र की इस एजेंसी में दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को नसीहत देने की यह जुर्रत कहाँ से आई? इसके जिम्मेदार राहुल गांधी जैसे लोग ही हैं। राहुल गांधी की गैर-जिम्मेदाराना हरकतों की कोई सीमा नहीं रह गई है। इसी क्रम में वे दुनिया के सबसे धनी व्यक्ति एलन मस्क की भारत विरोधी भावनाओं के साथ सुर मिलाते दिखे। अपनी सैलैलाइट इंटरनेट सेवा प्रदाता स्पार्लैक को भारत में लाइसेंस न मिलने पर तिलमिलाए मस्क ने जब अपने इंटरनेट मीडिया प्लेटेफार्म एक्स पर झुंझलाहट दिखानी शुरू की तो राहुल उनके साथ हो गए।

इस मामले में वास्तविकता यह है कि मस्क की कंपनी भारत में नियमन के पैमानों को अभी तक पूरी नई कर पाई, लेकिन उन्होंने अपनी खीझ भारतीय उद्यमियों और सरकार पर उतारनी शुरू कर दी। इसमें राहुल उन्हें एक तरह से उकसाते नजर आए। इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने भी जब भारतीय अव्यवस्था को डेड इकोनमी बताया था तो राहुल ने उनसे सहमति जताने में देर नहीं लगाई थी, जबकि हकीकत यह है कि हाल में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर को लेकर अपना अनुमान और बढ़ाया है।



व्यापक बना दिया है। युवा पीढ़ी का एक हिस्सा नशे की गिरफ्त में आकर अपना स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और भविष्य गंवा रहा है। कहीं मां की गोद सूनी हो रही है, कहीं वृद्ध पिता के बुढ़ापे का सहारा छिन रहा है और कहीं परिवार का कमाऊ सदस्य नशे की लत के कारण स्वयं अपने परिवजनों पर बोझ बन रहा है। घर का चिराग ही घर में अंधेरा कर दे’, इससे बड़ी विडंबना क्या होगी! नशे की लत केवल व्यक्ति को नहीं तोड़ती, बल्कि पूरे परिवार और सामाजिक ताने-बाने को भीतर तक खोखला कर देती है। इस संकट की गंभीरता सरकारी आंकड़ों और पुलिस की कार्रवाइयों से भी समझी जा सकती है। उपलब्ध विवरणों के अनुसार दस महीनों में पंजाब पुलिस ने 10,524 तस्करों को गिरफ्तार किया, जिनमें 153 बड़े ऑपरेटर शामिल थे। इस दौरान 790 किलोग्राम हेरोइन, 860 किलोग्राम अफीम और अन्य मादक पदार्थों के साथ 13 करोड़ रुपये से अधिक की ड्रा मनी जब्त की गई तथा नशे के कारोबार से जुड़ी 208 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति पर कार्रवाई की गई। ये आंकड़े कार्रवाई के पैमाने को अवश्य दर्शाते हैं, लेकिन साथ ही यह सवाल भी उठते हैं कि इतनी बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ आखिर राज्य में पहुंच कैसे रहे हैं? इतनी गिरफ्तारियों और जब्ती के बावजूद यदि नशे की

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कमजोर या चतुर प्रशासक

विषय पर विचार करने के लिए हमें उनके कार्यकाल को इतिहास के अन्य प्रमुख राष्ट्रपतियों की तुलना में देखना होगा। इस संदर्भ में, डोनाल्ड ट्रंप का मूल्यांकन सीधा नहीं है। उनके समर्थकों की नजर में वे एक क्रांतिकारी और दूरदर्शी नेता हैं, जबकि आलोचकों की नजर में वे संस्थाओं को कमजोर करने वाले और लोकतांत्रिक मानदंडों को चुनौती देने वाले राष्ट्रपति रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप की शासन शैली पारंपरिक अमेरिकी राष्ट्रपतियों से बिल्कुल अलग थी। उनकी कार्यणाली के मुख्य स्तंभ निम्नलिखित रहे हैं- उन्होंने पारंपरिक अंतरराष्ट्रीय गठबंधनों (जैसे नाटो, पेरिस जलवायु समझौता, ईरान परमाणु समझौता) को चुनौती दी और अमेरिका के आर्थिक हितों को सबसे ऊपर रखा। उन्होंने चीन के साथ एक लंबा व्यापार युद्ध लड़ा । ट्रंप ने मुख्यधारा के मीडिया, खुफिया एजेंसियों (एफबीआई, सीआईए) और न्यायपालिका पर लगातार सवाल उठाए। उन्होंने रूढ़िवादी विचारधारा के न्यायाधीशों सुप्रीम कोर्ट में तीन नियुक्तियों सहित को नियुक्त किया, जिसे उनके समर्थकों ने ऐतिहासिक जीत माना। ट्रंप ने पारंपरिक प्रेस कॉन्फ्रेंस के बजाय ट्विटर अब एक्स के माध्यम से सीधे जनता से संवाद किया, जिसने राजनीतिक संवाद की भाषा को हमेशा के लिए बदल दिया।उनके कार्यकाल (2017-2021) में 2017 का कर कटौती और नैकरियां अधिनियम पारित हुआ, जिससे कॉर्पोरेट करों में भारी कमी आई और कोविड-19 महामारी से पहले अमेरिकी अर्थव्यवस्था में तेजी आई।डोनाल्ड ट्रंप को बेहतर ढंग से समझने के लिए उनकी तुलना अमेरिकी इतिहास के कुछ अन्य प्रमुख राष्ट्रपतियों से करना आवश्यक है

एंड्रयू जैक्सन से तुलना- डोनाल्ड ट्रंप की तुलना अक्सर 19वें सदी के राष्ट्रपति एंड्रयू जैक्सन से की जाती है। जैक्सन की तरह, ट्रंप ने भी खुद को आम आदमी का चैंपियन बताया और स्थापित राजनीतिक तंत्र के खिलाफ मोर्चा खोला। दोनों नेताओं ने अपनी राजनीतिक ताकत जनसमर्थन और लोकलुभावन अपील से प्राप्त की। जैक्सन की तरह ट्रंप ने भी कार्यपालिका को शक्ति को अपनी शैली के अनुसार मोड़ने का प्रयास किया।

रिपब्लिकन पार्टी के भीतर डोनाल्ड ट्रंप की नीतियां रोनाल्ड रीगन से भिन्न थीं। जहां रीगन मुक्त व्यापार, वैश्वीकरण और मजबूत अंतरराष्ट्रीय गठबंधनों के प्रबल समर्थक थे, वहीं ट्रंप ने संरक्षणवाद आयात शुल्क और अलगाववाद का मार्ग चुना। इसके बावजूद, दोनों ने करों में कटौती और रूढ़िवादी न्यायिक नियुक्तियों के एजेंडे को आगे बढ़ाया।

संकट प्रबंधन में फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट या अब्राहम लिंकन

पुरानी समस्या है, लेकिन आज यह केवल कुछ व्यक्तिगत विवादों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह न्याय-प्रणाली, पुलिस-तंत्र और मुकदमेबाजी की संस्कृति से जुड़ा एक गंभीर संरचनात्मक संकट बन चुका है।

कानून का उपयोग अधिकारों और दायित्वों के ईमानदारी से क्रियान्वयन के लिए किया जाना चाहिए, लेकिन जब किसी कानून का प्रयोग दबाव डालने, प्रतिस्पर्धा लेने, लाभ-प्राप्ति के लिए या विलंब के एक औजार के रूप में होने लगे, तब उसका नैतिक और संवैधानिक संतुलन बिगड़ जाता है।

देश में लंबित मामलों, विचाराधीन कैदियों और अत्यधिक बोझिल आपराधिक न्याय-व्यवस्था ने कानूनों के दुरुपयोग के लिए अनुकूल स्थिति बनाई है। राष्ट्रीय न्यायिक डाटा ग्रिड के अनुसार, 30 जुलाई, 2026 तक कुल 4,99,11,920 मामले लंबित थे, जिनमें लाखों आपराधिक और सिविल विवाद थे। 31 दिसंबर, 2024 तक भारत की जेलों की क्षमता 4,53,769 थी, लेकिन वहां 5,11,542 कैदी बंद थे, यानी जेलें 112.7 प्रतिशत क्षमता पर चल रही थीं। इसी तारीख पर 3,71,440 कैदी विचारार्थमान कैदी थे, जो कुल जेल-जनसंख्या का लगभग 72.6 प्रतिशत था।

भारत में सामान्यतः लगभग हरेक कानून का दुरुपयोग होता है, मगर सर्वाधिक दुरुपयोग वैवाहिक, पारिवारिक, संपत्ति-विवादों और जाति- भेदभाव संबंधी विवादों में दिखता है। कई मामलों में गंभीर शिकायतें वास्तविक होती हैं, लेकिन कुछ मामलों में शिकायतों का इस्तेमाल बदला, दबाव या समझौते के

उपलब्धता और लत पर निर्णायक अंकुश नहीं लग रहा, तो स्पष्ट है कि समस्या की जड़ें गहरी हैं। ‘मर्ज बढ़ता गया, ज्यों-ज्यों दवा की’ जैसी स्थिति से बचने के लिए गिरफ्तारियों की संख्या से आगे बढ़कर नशे की आपूर्ति, वित्तीय नेटवर्क और राजनीतिक संरक्षण की पड़ताल करनी होगी।

पाकिस्तान से लगी पंजाब की लगभग 553 किलोमीटर लंबी सीमा इस चुनौती को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ती है। ड्रोन के माध्यम से नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी की आशंकाएं सीमा प्रबंधन को और जटिल बनाती हैं। वर्ष 2026 में अब तक पंजाब की सीमा से 183 ड्रोन जब्त किए जाने का उल्लेख इस खतरे की गंभीरता को रेखांकित करता है। सीमा पार से संचालित तस्करी के नेटवर्क पर प्रहार करना आवश्यक है, लेकिन सारी जिम्मेदारी बाहरी ताकतों पर डालकर राज्य के भीतर की कमजोरियों से आंखें नहीं मूंदी जा सकती। यदि स्थानीय तस्कर, संगठित गिरोह और भ्रष्ट तंत्र मिलकर काम कर रहे हों, तो सीमा पर कड़ी निगरानी के साथ-साथ भीतर भी कठोर कार्रवाई करनी होगी। ‘दूध का दूध और पानी का पानी’ करने वाली जांच ही बता सकती है कि इस काले कारोबार में कौन मोहरा है, कौन खिलाड़ी और कौन पर्दे के पीछे बैठा सूत्रधार। आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार ने नशामुक्ति और तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई को लेकर अनेक दावे किए हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये दावे जमीन पर उताना परिवर्तन ला पाए हैं, जिसकी अपेक्षा पंजाब की जनता ने की थी? सत्ता में आने से पहले नशे के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई के वादे करना आसान है, लेकिन उस लड़ाई को परिणाम तक पहुंचाना राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक

-ललित गर्ग

संजीव ठाकुर

से अंतर मजबूत राष्ट्रपतियों की श्रेणी में वे नेता आते हैं जिन्होंने राष्ट्रीय संकटों के समय देश को एकजुट किया। इसके विपरीत, आलोचकों का तर्क है कि कोविड-19 महामारी के दौरान और 2020 के राष्ट्रपति चुनावों के बाद (विशेषकर 6 जनवरी 2021 को कैपिटल हिल की घटना) ट्रंप की भूमिका विभाजनकारी रही। इतिहासकार संकट के समय देश को पाटने के बजाय बांटने वाले नेताओं को कमजोर या विवादास्पद श्रेणी में रखते हैं।ट्रंप के मूल्यांकन में दो विरोधी धाराएँ स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं-दशकों में पहली बार किसी नए बड़े युद्ध की शुरुआत न करना अब्राहम समझौते के तहत पश्चिम एशिया में शांति प्रयास।अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और बेरोजगारी दर को ऐतिहासिक निचले स्तर पर लाना।

चीन के खिलाफ सख्त रुख अपनाकर अमेरिकी व्यापार हितों की रक्षा करना। रूढ़िवादी सुप्रीम कोर्ट का निर्माण करना। लोकतांत्रिक संस्थानों और चुनाव परिणामों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाना।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका के पारंपरिक मित्रों के साथ संबंधों में खटास पैदा करना।

जलवायु परिवर्तन और वैश्विक स्वास्थ्य सहयोग से अमेरिका को पीछे खींचना।

दो बार महाभियोग का सामना करने वाले इतिहास के एकमात्र राष्ट्रपति बनना। यदि कमजोर राष्ट्रपति का अर्थ वह व्यक्ति है जो निर्णय लेने में असमर्थ रहा हो, जिसके पास राजनीतिक इच्छाशक्ति न हो, या जो अपने एजेंडे को लागू न कर पाया हो-तो डोनाल्ड ट्रंप को कमजोर बिल्कुल नहीं कहा जा सकता। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान अमेरिकी राजनीति और नीतियों को अपने तरीके से गहराई से प्रभावित किया और रूढ़िवादी एजेंडे को मजबूती से लागू किया।

हालाँकि, यदि कमजोर शब्द का तात्पर्य लोकतांत्रिक परंपराओं, संस्थागत संतुलन और सामाजिक समरसता को बनाए रखने की उम्मेदारी से है, तो कई इतिहासकार और राजनीतिक विश्लेषक उनके कार्यकाल को अत्यधिक विभाजनकारी और संस्थाओं को आघात पहुंचाने वाला मानते हैं।

संक्षेप में, डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी इतिहास के पारंपरिक अर्थों में कमजोर राष्ट्रपति नहीं थे, बल्कि वे एक असाधारण रूप से विद्रोही, विभाजनकारी और प्रभावकारी राष्ट्रपति थे, जिनके मूल्यांकन पर इतिहासकार आने वाले कई दशकों तक बहस करते रहेंगे।

-संजीव ठाकुर

साधन के रूप में किया जाता है।

घरेलू विवाद, दहेज-संबंधी आरोप, संपत्ति पर कब्जे और पड़ोसियों के झगड़ों में झूठी प्राथमिकी दर्ज करने और गिरफ्तारी करने की प्रवृत्ति बढ़ी है। ऐसे में मुकदमे का परिणाम चाहे जो हो, लेकिन प्रक्रिया-भर में प्रतिवादी को सामाजिक, आर्थिक और मानसिक क्षति झेलनी पड़ती है।

यही कारण है कि दुरुपयोग की समस्या को केवल झूठे केस कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। यह एक प्रकार से प्रक्रियात्मक दंड की समस्या भी है। समस्या का एक मूल कारण गिरफ्तारी की अत्यधिक उपयोग-प्रवृत्ति भी है। कई मामलों में पुलिस पहले हिरासत, फिर जांच के सिद्धांत पर काम करती है। इससे कानून के दुरुपयोग की आशंका बढ़ती है, क्योंकि गिरफ्तारी स्वयं एक दंड बन जाती है। नैकीरि, प्रतिष्ठा, परिवार, परिवार और मानसिक स्वास्थ्य-इन सब पर गिरफ्तारी का प्रभाव पड़ता है, भले ही बाद में व्यक्ति बरी हो जाए।

इस संकट का समाधान कानूनों को अधिक सटीक, जवाबदेह और समयबद्ध बनाने में है। पहली आवश्यकता है गिरफ्तारी को अपवाद बनाना, न कि सख्ती प्रतिक्रिया। दूसरी, झूठी, दुर्भावनापूर्ण या बदले की भावना से दायर शिकायतों पर क्षतिपूर्ति और उचित दंड को प्रभावी बनाना।

तीसरी, पुलिस और अभियोजन की प्रारंभिक जांच को अधिक विश्वसनीय बनाना, ताकि हर विवाद सीधे आपराधिक मुकदमे में न बदला जाए।

-धनंजय राजौरा

सेवा कार्य कर सनातन समाज को धर्म पथ से जोड़ रही है संस्था अनंता

विधायक गायत्री राजे पवार ने की सराहना

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर देवास का माहौल भक्तिमय हो उठा है। संस्था अनंता परिवार द्वारा आयोजित चौथे दिन की महाआरती और भंडारे में जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं एवं भक्तजनों ने शामिल होकर मातारानी का आशीर्वाद लिया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। संस्था अनंता परिवार द्वारा आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में अतिथि के रूप में विधायक गायत्री राजे पवार राजमाता, ठाकुर भाजयुमो जिला अध्यक्ष सीहोर,



भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ रायसिंह सेंधव, महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, सभापति रवि जैन, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष नरेन्द्रसिंह राजपूत, सत्तापक्ष नेता मनीष सेन, सोनकच्छ जनपद अध्यक्ष सूरजसिंह ठाकुर, टोंकखुर्द जनपद अध्यक्ष पोपसिंह ठाकुर, महेंद्र भाजपा मंडल अध्यक्षगण मंगलभाई चौधरी, रामकुमार सिंह आदि भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने मातारानी की महाआरती में भाग लेकर आस्था प्रकट की। इस अवसर पर विधायक श्रीमंत पवार ने कहा, कि संस्था अनंता परिवार धार्मिक एवं सेवा कार्य के आयोजन कर सनातन समाज को धर्म पथ पर जोड़ने का बहुत अच्छा कार्य कर रही है। ऐसे धार्मिक एवं सेवा कार्य सराहनीय है। आस्था और भक्ति से ओतप्रोत इस आयोजन में मातारानी के जयकारों से पूरा पंडाल गुंज उठा। महाआरती उपरांत अतिथियों ने फरियाली प्रसाद भंडारे का शुभारंभ किया और स्वयं भक्तजनों को

प्रसाद वितरित किया। इस दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। संस्था की ओर से संरक्षक भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ सेंधव एवं संस्था संयोजक अजय सेंधव सहित कार्यकर्ताओं ने राजमाता जी को माता रानी की चुनरी ओढ़ाकर स्वागत किया। सभी अतिथियों का स्वागत लाल दुपट्टा पहनाकर किया। संस्था संयोजक अजय सेंधव एवं दिनेश सांखला ने बताया, कि रोजाना की तरह चौथे दिन भी हजारों भक्तजनों ने भंडारे में शामिल होकर प्रसाद ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि नवरात्रि का यह पर्व शहरवासियों को आपसी एकता, आस्था और भक्ति से जोड़ दिया है।

कनकेश्वरी के दरबार पहुंचे माता के भक्त

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर की खुशहाली, बेहतर बारिश और विश्व कल्याण की कामना से लगातार 12 सालों से निकल रही मां कनकेश्वरी भक्त मंडल की चुनरी यात्रा 13वे वर्ष भी धूमधाम और शान से निकली, जिसमें शामिल श्रद्धालुओं की सेवा के लिए दर्जनों स्थानों पर शहरवासियों और ग्रामीणों ने तरह-तरह की स्टॉल लगाकर उनकी सेवा की। वहीं कनकेश्वरी भक्त मंडल द्वारा भी माता को आस्था की चुनर ओढ़ाकर मंगल कामनाएं की। गुरुवार को सोमवारिया बाजार स्थित सोमेश्वर महादेव मंदिर स्थित शीतला माता मंदिर में माता का आशीर्वाद लिया। इसके बाद कनकेश्वरी भक्त मंडल की पैदल यात्रा प्रारंभ हुई जो सोमवारिया बाजार से आजाद चौक, कसेरा बाजार, गिरवर, जादमी, भदौनी होती



हुई गरबा व माता के जयकारे लगाते हुए माता के दरबार पहुंची। यहां सभी ने पहले माता के दर्शन किए। इसके बाद मां को चुनरी अर्पित कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद महाआरती कर प्रसादी वितरण किया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में भंडारे का आयोजन किया गया जिसमे न सिर्फ नगरवासी बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों व आसपास के जिलों से भी श्रद्धालुओं ने शामिल होकर प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रेम जैन, उपाध्यक्ष पं. संतोष जोशी, किरणसिंह ठाकुर, उमेश

टेलर, यात्रा प्रभारी तुलसीराम भावसार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। स्वागत द्वार सजाकर किया भक्तों का स्वागत चुनरी यात्रा में शामिल भक्तों को शहरवासियों ने शुभकामनाएं और स्वागत कर रवाना किया। सोमवारिया बाजार में व्यापारियों द्वारा कनकेश्वरी भक्त मंडल के संयोजक रामचंद्र (मुन्ना) भावसार सहित पदाधिकारियों का पुष्पहार व सांफा बांधकर स्वागत किया। इसके बाद विभिन्न स्थानों पर पुष्पवर्षा कर सभी को यात्रा की शुभकामनाएं दी गई। आजाद चौक में भी माता जी की मंदिर समिति द्वारा सभी श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया। इसके बाद कसेरा बाजार, करेड़ी नाका, ग्राम जादमी, ग्राम भदौनी सहित करीब दो दर्जन स्थानों पर स्वागत किया गया और कई जगहों पर जलपान की व्यवस्था भी की गई थी।

उत्कृष्ट विद्यालय में आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण, विद्यार्थियों को सिखाए बचाव के तरीके



देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट विद्यालय, देवास में माय भारत देवास द्वारा जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं से बचाव के उपायों की जानकारी देने के साथ ही आपातकालीन परिस्थितियों में राहत एवं बचाव कार्यों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिला सह प्रभारी (मन की बात) अखिलेश चौहान बालोंन रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता माय भारत की उपनिदेशक तारा परागी ने की। इस दौरान एसडीईआरएफ की टीम ने विद्यार्थियों को

विभिन्न प्रकार की आपदाओं के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों, प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने तथा राहत एवं बचाव कार्यों की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न शारीरिक गतिविधियों और अभ्यासों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य अतिथि अखिलेश चौहान बालोंन ने अपने उद्बोधन में कहा कि जागरूकता ही बचाव है। आपदा के समय संयम, साहस और सूझबूझ के साथ त्वरित निर्णय लेना बेहद आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को आपातकालीन परिस्थितियों में चबराते के बजाय सतर्कता बरतने और दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंतर्गत आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से चित्रकला एवं नारा लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर पुलिस विभाग से वीना कोसल, जिला खेल अधिकारी सेना गडरिया, जावेद पटान, हेमंत देवड़ा, माय भारत के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक (एनवाईसी) विशाल मालवीय, सगुन सरगरा, युवा मंडल के अध्यक्ष एवं सचिव सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

8 जुंआरियों से मक्सी पुलिस ने ज़ब्त की 55 हज़ार से अधिक की राशि

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए मक्सी पुलिस ने कार्रवाई की है। मक्सी पुलिस ने जुआ खेलते आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से पुलिस ने 55 हजार 620 रुपए नकद और 52 ताश के पत्ते जब्त किए गए हैं। सभी के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

जानकारी के अनुसार पुलिस को 14 अक्टूबर की रात करीब 12.30 बजे सूचना मिली थी। मक्सी के बजरंग मोहल्ले में बोर के पेड़ के नीचे कुछ लोग जुआ खेल रहे थे। थाना प्रभारी मदन इवने और उनि अरविंद तोमर के नेतृत्व में चार पुलिस टिमों बनाई गई। टोमल में मौके पर घेराबंदी कर आठ लोगों को पकड़ा। जब्त किए गए सामान में 55 हजार 620 रुपए नकद और 52 ताश के पत्ते शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों में देवीसिंह गवली, मामूर, रवि चौहान, मोडीसिंह लोधी, अजय सोलंकी, जगगार, हरिश और सागर शामिल हैं। मक्सी थाने में अपराध क्रमांक 288/2026, थारा 13 जुआ एक्ट के तहत कानूनी कार्रवाई की गई है। पुलिस ने बताया कि जिले में अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

सहजयोग में मनाया जा रहा नवरात्रि पर्व

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शक्ति और भक्ति के पावन पर्व शारदेय नवरात्रि के अवसर पर सहजयोग परिवार द्वारा पूर्ण समर्पण के साथ श्रद्धा, भक्ति और साधना की जा रही है। इस आध्यात्मिक पर्व में केंद्र पर विधि-विधान के साथ घट स्थापना की गई। सहजयोगी साधक-साधिकाओं ने पहले दिन आदिशक्ति माँ भगवती के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की आराधना कर ध्यान लगाया। तब से नवरात्रि नो दिनों तक सहजयोग ध्यान केन्द्र पर प्रतिदिन प्रातः काल श्री दुर्गा सप्तशती के पाठ के साथ-साथ गहन ध्यान साधना की जाएगी। इसी क्रम में पर्व के अंतिम चरणों में महाअष्टमी के पावन अवसर पर समस्त विश्व के कल्याण के लिए विशेष हवन और पूजन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी साधक सम्मिलित होकर माँ की भक्ति करेंगे। इस अवसर पर सहजयोग केन्द्र समन्वयक रीति वैद्य सहित बड़ी संख्या में सहजयोगी साधक-साधिकाएं शामिल होकर शक्ति की भक्ति कर रहे हैं।

अब तक 378 कृष्णमृगों का किया सफल रेस्क्यू, कूनों अभ्यारण भेजा किसानों की फसलों को बचाने लगातार दूसरे साल चल रहा अभियान

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के कालापीपल के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों की फसलों को बचाने के लिए बोमा पद्धति से काले हिरणों को पकड़ने का अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें अब तक 378 काले हिरणों को पकड़कर कूनों अभ्यारण भेजा जा चुका है। अब यहां से टीम ग्राम टीटवास पहुंची जहां हिरणों से फसलों को बचाने इन्हें सुरक्षित करने का अभियान चलाया जाएगा।



शाजापुर और सीहोर जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों में फसलों को नुकसान से बचाने और वन्यजीवों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए कृष्णमृग रेस्क्यू अभियान लगातार जारी है। गुरुवार को कालापीपल के मनसाया गांव से 51 कृष्णमृगों का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। इसके साथ ही 10 से 15 अक्टूबर के बीच कुल 378 कृष्णमृगों को बचाया जा चुका है, जिन्हें कूनों अभयारण्य भेजा जा रहा है। रेस्क्यू किए गए कृष्णमृगों के आंकड़े बताते हैं कि 10 अक्टूबर को हब्रूखेड़ी से 97, 11 अक्टूबर को 79, 13 अक्टूबर को पंचदेहरिया से 77, 14 अक्टूबर को मनसाया से 74 और 15 अक्टूबर को मनसाया से ही 51 कृष्णमृग पकड़े गए। कालापीपल में काम पूरा होने

के बाद अब इस अभियान का अगला चरण शुजालपुर विधानसभा क्षेत्र में शुरू होने जा रहा है। यहां टीटवास गांव और उसके आसपास बोमा बनाकर वन्यजीवों को रेस्क्यू करने की तैयारी की गई है।

इस तरह पकड़ रहे काले हिरण- इस अभियान को बोमा पद्धति से संचालित किया जा रहा है। बोमा वन्यजीवों को बिना नुकसान पहुंचाए पकड़ने की एक बेहद सुरक्षित और आधुनिक तकनीक है। इसमें कपड़े की ऊंची दीवारों का इस्तेमाल कर अंग्रेजी के वी आकार का एक विशेष घेरा तैयार किया जाता है, जो आगे जाकर एक तंग रास्ते में बदल जाता है। अभियान के दौरान हेलीकाप्टर की

मदद से हॉका लगाकर कृष्णमृगों को धीरे-धीरे इस घेरे की दिशा में हंका जाता है। जैसे ही वन्यजीव सीमित दायरे में पहुंचते हैं वहां तैनात प्रशिक्षित वनकर्मों और विशेषज्ञ उन्हें सुरक्षित तरीके से पकड़ लेते हैं। इसके बाद स्वास्थ्य परीक्षण और आवश्यक देखभाल के बाद विशेष वाहनों से उन्हें कूनों अभयारण्य के लिए रवाना कर दिया जाता है। दूसरे साल 2 हजार हिरण पकड़ने का लक्ष्य- जिले के शुजालपुर और कालापीपल क्षेत्रों में कृष्णमृगों की बड़ी संख्या के कारण किसानों की खड़ी फसलों को भारी नुकसान पहुंचता रहा है। फसलों को बचाने और मानव-वन्यप्राणी द्वंद्व को समाप्त करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार लगातार दूसरे साल यह विशेष अभियान चला रही है। इस साल अभियान के दूसरे चरण में कुल 2 हजार कृष्णमृगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित राष्ट्रीय उद्यानों में भेजने का लक्ष्य रखा गया है। इस अभियान में दक्षिण अफ्रीका की विशेषज्ञ टीम, वन्यप्राणी चिकित्सक, वरिष्ठ वन अधिकारी और प्रशिक्षित मैदानी अमला दिन-रात इस रेस्क्यू और परिवहन की प्रक्रिया को सुरक्षित तरीके से अंजाम देने में जुटा हुआ है।

महाभारत के महायौद्धा अंगराज कर्ण का आराध्य स्थल रहा है करेड़ी माता मंदिर...

करेड़ी माता के दरबार में उमड़ रहा भक्तों की श्रद्धा का सैलाब

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मुख्यालय से करीब 10 किमी दूर कुछ ऐसे देवी स्थल भी स्थित हैं जहां विशेष अवसरों पर मां दुर्गा की भक्तिभाव पूर्ण तरीके से धार्मिक आराधना की जाती है। मां भवानी की आराधना का ऐसा ही एक प्रसिद्ध स्थल शाजापुर से करीब 10 किलोमीटर दूर ग्राम करेड़ी स्थित करेड़ी माता का भव्य प्राचीन एवं चमत्कारी मंदिर है। जहां प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पवित्र नवरात्रि पर्व के दौरान भक्तों का तांता लग रहा है।



मां राजराजेश्वरी की नगरी शाजापुर से महज 10 किलोमीटर की दूरी पर उज्जैन जिले के ग्राम करेड़ी स्थित अत्यंत चमत्कारी कर्णेश्वरी माता मंदिर के संबंध में प्रचलित अति प्राचीन मान्यतानुसार उक्त स्थल महाभारत काल के महायौद्धा एवं दानवीर अंगराज कर्ण का वह मुख्य आराध्य स्थल रहा है जहां सूर्य पूत्र कर्ण स्वयं प्रतिदिन माता करेड़ी की आराधना किया करते थे। इसके साथ जुड़ी एक पौराणीक कथानुसार राजा कर्ण करेड़ी माता के दर्शन करने से पूर्व मंदिर के समीप स्थित कमल कुंड में स्नान करके माता की चमत्कारी प्रतिमा के समक्ष स्वयं की बली

देकर माता को प्रसन्न किया करते थे। कर्ण की इस अनूठी भक्ति से प्रसन्न होकर माता करेड़ी उसे सवा मन सोना भेंट स्वरूप प्रदान किया करती थी, जिसे वह स्वीकार कर मुक्त हृदय से जनता में बांट दिया करते थे।

माता भक्तों ने देखे हैं कई चमत्कार- मंदिर के संबंध में यह भी कहा जाता है कि माता प्राचीन समय से ही तीन रूप बदलती हैं, जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण अनेकों बार ग्रामवासियों एवं असंख्य माता भक्तों ने भी देखा है। इसीके साथ मंदिर की एक विशेषता यह भी है कि यह मंदिर केवल 24 खंबो पर ही टीका हुआ है। जिसके अन्दर माता करेड़ी की

चमत्कारी प्रतिमा पूर्ण तेज और शक्ति स्वरूप में भक्तों को अपने दिव्य दर्शन देने के लिए आदमकद धारण किए हुए विराजित है। जिनके दर्शन करने प्रतिदिन श्रद्धालू मंदिर पहुंचते हैं। कभी नहीं सूखता जलकुंड का पानी- मंदिर की एक और विशेषता यह भी है कि यहां विराजित माता की दिव्य प्रतिमा के दाहिने कंधे पर एक ऐसा अतिप्राचीन जलकुंड स्थापित है, जिसका जल मंदिर के पुजारी द्वारा दर्शन हेतु आने वाले श्रद्धालुजनों को चरणामृत स्वरूप प्रदान किया जाता है। कुंड के जल की एक खास विशेषता यह भी है कि यह जल सदैव शुद्ध रहता है तथा कभी भी सूखता नहीं है। अपने कुछ इसी तरह के अत्यंत प्राचीन व ऐतिहासिक कथा महत्त्वों से सुशोभित राजारिाजराज बाबा महाकाल की प्राचीन नगरी उज्जैयनी एवं मां राजराजेश्वरी की पावन नगरी शाजापुर के मध्य ग्राम करेड़ी स्थित राजा कर्ण का आराध्य स्थल मां कर्णेश्वरी माता का मंदिर सम्पूर्ण क्षेत्रवासियों सहित आस - पास निवास करने वाले दैवीय भक्तों की अपार - आस्था का भी प्रमुख केन्द्र बना हुआ है।

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति खातेगांव जिला–देवास(म.प्र.)

क्रमांक / मंडी / नि. / 26–27 / 764

खातेगांव दिनांक:- 12.10.2026

- / / निविदा आमंत्रण सूचना / - / -

प्रमुख अभियंता म.प्र. लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त (एकीकृत पंजीयन प्रणाली) पंजीकृत निविदाकारो से प्रतिशत दर आधार पर सिस्टम निविदाएँ क्रमांक 2026_MPSAM_542450_1, के अंतर्गत ऑनलाईन निविदाएँ दिनांक 15.10.2026 समय 05.30 से दिनांक 03.11.2026 को साय 5:30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी निविदाकारों को म.प्र. शासन के ई-निविदा के पोर्टल <http://www.mptenders.gov.in/nicgep/app> पर प्राप्त होगी, एवं उक्त निविदा से संबंधित समस्त जानकारी मंडी बोर्ड के पोर्टल <http://www.mppmandiboard.gov.in> पर भी अवलोकनीय होगी।

नोट:-आवश्यक होने पर उपरोक्त निविदा सूचना से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन सूचना अथवा अन्य जानकारी केवल उपरोक्तानुसार पोर्टल पर ही प्रदर्शित किया जावेगा।

सचिव
कृषि उपज मण्डी समिति, खातेगांव
जिला–देवास (म.प्र.)

मीना बाजार में 26 अक्टूबर को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम द्वारा आयोजित 90 वीं दशहरा कृषिकला एवं औद्योगिक प्रदर्शनी मीना बाजार में इस वर्ष सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में एक भव्य अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन 26 अक्टूबर सोमवार को किया जा रहा है। महापौर श्रीमती गीता दुर्गेश अग्रवाल ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि अखिल भारतीय कवि सम्मेलन स्थानीय पुलिस ग्राउंड मीना बाजार मंच पर आयोजित होगा, जिसमें देश के ख्यातनाम कवि अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। महापौर ने बताया कि कवि सम्मेलन में आमंत्रित कविगण डॉ. अनामिका जैन अंबर (देश की सुप्रसिद्ध कवित्री) मेरठ उ.प्र.,श्री सुदीप भोला (हास्य-व्यंग्य) नई दिल्ली, श्री महेंद्र मधुर (गीतकार) आष्टा म.प्र., श्री चेतन चर्चित (हास्य) कवि मुंबई, श्री देवकृष्ण व्यास (ओजस्वी गीतकार) देवास- श्री नंद किशोर अकेला (मालवी हास्य) - अलोट, कार्यक्रम का संचालन सुप्रसिद्ध सबरस कवि श्री शशिकांत यादव शशि देवास करेंगे। महापौर ने समस्त शहरवासियों, साहित्य प्रेमियों एवं काव्य रसिकों से इस भव्य कवि सम्मेलन में सर्रिवार पधारने की अपील की है।

मां चामुंडा और मां तुलजा भवानी के रथ को गार्ड ऑफ ऑनर देने की मांग

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नवरात्रि के पश्चात ग्यारस के दिन देवास में निकलने वाले पारंपरिक विशाल चल समारोह में मां चामुंडा एवं मां तुलजा भवानी के रथ को गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान करने की मांग उठी है। इस संबंध में जिला अभिभाषक संघ, देवास ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर प्रस्ताव को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया है। जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष रामप्रसाद सूर्यवंशी एवं सचिव चंद्रपाल सिंह सोलंकी (छेटू) ने बताया कि देवास में मां चामुंडा एवं मां तुलजा भवानी की असीम कृपा से नवरात्रि का पर्व प्रतिवर्ष श्रद्धा, आस्था और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इसी परंपरा के अंतर्गत नवरात्रि के पश्चात ग्यारस के दिन भव्य चल समारोह निकाला जाता है, जिसमें माता टेकरी से मां चामुंडा एवं मां तुलजा भवानी के पवित्र रथ शामिल होते हैं। उन्होंने बताया कि यह चल समारोह केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि देवास की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। इससे नगरवासियों की गहरी आस्था और धार्मिक परंपराएं जुड़ी हुई हैं। ऐसे में दोनों देवियों के पवित्र रथ को गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया जाना देवास की गौरवशाली परंपरा को विशेष सम्मान देने वाला कदम होगा। पत्र में उल्लेख किया गया है कि इस संबंध में देवास के विभिन्न जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भी पत्र के माध्यम से प्रस्ताव पर सकारात्मक निर्णय लेने का अनुरोध किया गया है। यह विषय श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था और जनभावनाओं से जुड़ा हुआ है। जिला अभिभाषक संघ ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि जनभावनाओं और देवास की गौरवशाली धार्मिक परंपरा को ध्यान में रखते हुए इस प्रस्ताव को प्राथमिकता से स्वीकार किया जाए।

वीर सैनिकों और उनके परिजनों का सम्मान, शाल- श्रीफल भेंट कर जताया आभार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित हुआ कार्यक्रम



देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ग्राम सिगावदा में देश की रक्षा के लिए अपनी सेवाएं देने वाले वीर सैनिकों एवं उनके परिजनों के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष महेश चौहान एवं ग्रामवासियों ने सैनिकों को शाल, श्रीफल और मिठाई भेंट कर सम्मानित किया तथा राष्ट्र के प्रति उनके त्याग, समर्पण और देशभक्ति के लिए आभार व्यक्त किया। समारोह में सेवानिवृत्त सैनिक जीवन कुमार आर्य एवं बटी प्रकाश

उपाध्यक्ष महेश चौहान एवं ग्रामीणों ने कहा कि देश के वीर सैनिक कठिन परिस्थितियों में अपनी जान की परवाह किए बिना सीमाओं की रक्षा करते हैं। उनके अदम्य साहस, त्याग और समर्पण के कारण ही देशवासी सुरक्षित महसूस करते हैं। सैनिकों का योगदान केवल सीमा पर तैनात जवानों तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके परिवार भी उनके कर्तव्य निर्वहन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समारोह में ग्रामवासियों ने वीर सैनिकों के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए उनके योगदान को नमन किया।

चौहान सहित अर्जुन पटेल और अभिषेक चौहान का सम्मान किया गया। इस अवसर पर देश की सीमाओं पर तैनात रहकर राष्ट्र की सुरक्षा में अपना योगदान दे रहे सैनिकों के प्रति भी सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की गई। भाजपा जिला

मातृ उत्सव में थिरके नन्हें कदम, फर्स्ट स्टेप प्ले स्कूल ने निभाई संस्कृति और संस्कारों के बीजारोपण की अनूठी मिसाल



आयुक्त क्षितिज सिंघल ने भागीरथपुरा क्षेत्र का किया निरीक्षण, जलप्रदाय एवं सीवरेज कार्यों का लिया जायजा



इंदौर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने गुरुवार को भागीरथपुरा क्षेत्र का निरीक्षण कर विभिन्न विकास कार्यों एवं मूलभूत नागरिक सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जलप्रदाय लाइन और सीवरेज लाइन से संबंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा की तथा स्थानीय नागरिकों से चर्चा कर क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति एवं अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान अपर आयुक्त श्री आशीष पाठक, जेनल अधिकारी श्री गीत मनोचा सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आयुक्त श्री सिंघल ने भागीरथपुरा क्षेत्र के भट्ठा बस्ती, कान्युनिटी हॉल, भागीरथपुरा मेन रोड, शासकीय विद्यालय तथा एमआर-4 क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से जलप्रदाय एवं सीवरेज लाइन के कार्यों की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि प्रभावित क्षेत्र में जलप्रदाय एवं सीवरेज से संबंधित पाइपलाइन का कार्य पूरा हो चुका है और क्षेत्र में पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ जल की आपूर्ति की जा रही है। वहीं, भागीरथपुरा के कुछ हिस्सों में सीवरेज लाइन का कार्य अभी प्रगतिरत है, जिसे शीघ्र पूरा करने की बात कही गई।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने नागरिकों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से जलप्रदाय व्यवस्था में क्लोरीन परीक्षण की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी लेते हुए निर्धारित मानकों के अनुसार नियमित जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि नागरिकों को सुरक्षित पेयजल मिल सके।

आयुक्त श्री सिंघल ने क्षेत्रीय नागरिकों से सीधे संवाद कर पेयजल आपूर्ति एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के बारे में उनकी राय भी जानी। चर्चा के दौरान नागरिकों ने पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ जल मिलने पर संतोष व्यक्त किया। आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों से क्षेत्र में जारी कार्यों की निगरानी करने तथा शेष सीवरेज कार्य को शीघ्र पूर्ण करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

नवाचार से स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ेंगे विद्यार्थी

बड़वानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आयुक्त तकनीकी शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन तथा कलेक्टर जयति सिंह के मार्गदर्शन में सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत शासकीय पॉलिटेक्निक नक महाविद्यालय बड़वानी में तकनीकी मॉडल प्रदर्शनी, हैकार्थॉन एवं एक्सपर्ट लेक्चर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नवाचार, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तकनीकी दक्षता, समस्या-समाधान की क्षमता और उद्यमिता की भावना विकसित करना तथा उन्हें रोजगार पाने के साथ-साथ रोजगार सृजन के लिए प्रेरित करना था। जिले के दोनों तकनीकी महाविद्यालयों शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय बड़वानी एवं सेधवा, के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विषय विशेषज्ञों का मार्गदर्शन विषय विशेषज्ञ एवं मुख्य अतिथि जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र बड़वानी के महाप्रबंधक श्री एसएल सोलंकी ने केंद्र एवं मध्यप्रदेश शासन की स्वरोजगार, उद्योग स्थापना, स्टार्टअप और ऋण सहायता योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवा अपनी योग्यता, कौशल और नवाचार के बल पर स्वयं का उद्यम स्थापित कर सकते हैं, जिसके

लिए शासन द्वारा वित्तीय सहायता, व्याज अनुदान एवं ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, मध्यप्रदेश स्टार्टअप नीति 2025 तथा एमएसएमई प्रोत्साहन प्रावधानों की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को परियोजना रिपोर्ट बनाने, बैंक ऋण प्राप्त करने, पात्रता शर्तें समझने और शासकीय सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपनी तकनीकी दक्षता को व्यावहारिक परियोजनाओं और स्वरोजगार के अवसरों में बदलें। साथ ही द्वितीय विषय विशेषज्ञ एवं विशेष अतिथि श्री अरविंद चौहान जिला समन्वयक सेडमैप ने करियर निर्माण, उद्यमिता और स्टार्टअप की अवधारणा पर मार्गदर्शन दिया।

आयुक्त तकनीकी शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन तथा कलेक्टर जयति सिंह के मार्गदर्शन में सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत शासकीय पॉलिटेक्निक नक महाविद्यालय बड़वानी में तकनीकी मॉडल प्रदर्शनी, हैकार्थॉन एवं एक्सपर्ट लेक्चर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नवाचार, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तकनीकी दक्षता, समस्या-समाधान की क्षमता और उद्यमिता की भावना विकसित करना तथा उन्हें रोजगार पाने के साथ-साथ रोजगार सृजन के लिए प्रेरित करना था। जिले के दोनों तकनीकी महाविद्यालयों शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय बड़वानी एवं सेधवा, के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विषय विशेषज्ञों का मार्गदर्शन विषय विशेषज्ञ एवं मुख्य अतिथि जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र बड़वानी के महाप्रबंधक श्री एसएल सोलंकी ने केंद्र एवं मध्यप्रदेश शासन की स्वरोजगार, उद्योग स्थापना, स्टार्टअप और ऋण सहायता योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवा अपनी योग्यता, कौशल और नवाचार के बल पर स्वयं का उद्यम स्थापित कर सकते हैं, जिसके

लिए शासन द्वारा वित्तीय सहायता, व्याज अनुदान एवं ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, मध्यप्रदेश स्टार्टअप नीति 2025 तथा एमएसएमई प्रोत्साहन प्रावधानों की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को परियोजना रिपोर्ट बनाने, बैंक ऋण प्राप्त करने, पात्रता शर्तें समझने और शासकीय सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपनी तकनीकी दक्षता को व्यावहारिक परियोजनाओं और स्वरोजगार के अवसरों में बदलें। साथ ही द्वितीय विषय विशेषज्ञ एवं विशेष अतिथि श्री अरविंद चौहान जिला समन्वयक सेडमैप ने करियर निर्माण, उद्यमिता और स्टार्टअप की अवधारणा पर मार्गदर्शन दिया।

आयुक्त तकनीकी शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन तथा कलेक्टर जयति सिंह के मार्गदर्शन में सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत शासकीय पॉलिटेक्निक नक महाविद्यालय बड़वानी में तकनीकी मॉडल प्रदर्शनी, हैकार्थॉन एवं एक्सपर्ट लेक्चर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नवाचार, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तकनीकी दक्षता, समस्या-समाधान की क्षमता और उद्यमिता की भावना विकसित करना तथा उन्हें रोजगार पाने के साथ-साथ रोजगार सृजन के लिए प्रेरित करना था। जिले के दोनों तकनीकी महाविद्यालयों शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय बड़वानी एवं सेधवा, के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विषय विशेषज्ञों का मार्गदर्शन विषय विशेषज्ञ एवं मुख्य अतिथि जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र बड़वानी के महाप्रबंधक श्री एसएल सोलंकी ने केंद्र एवं मध्यप्रदेश शासन की स्वरोजगार, उद्योग स्थापना, स्टार्टअप और ऋण सहायता योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवा अपनी योग्यता, कौशल और नवाचार के बल पर स्वयं का उद्यम स्थापित कर सकते हैं, जिसके

बिजली समस्याओं को लेकर ब्लॉक कांग्रेस ने सौंपा जीता भवन न्यास बड़नगर के तत्वाधान में 182 निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देपालपुर विधानसभा क्षेत्र में बिजली की समस्याओं को लेकर ब्लॉक कांग्रेस द्वारा एमपीईबी के डीई अभिषेक रंजन को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में किसानों को 10 घंटे कृषि बिजली उपलब्ध कराने, घरेलू उपभोक्ताओं को 24 घंटे निबंध बिजली देने तथा अल्प वर्षा के चलते जिन किसानों के बोरिंग चल रहे हैं, उन्हें चार माह के बजाय एक माह का अस्थाई बिजली कनेक्शन देने की मांग की गई। कांग्रेस नेताओं ने बताया कि वर्तमान में किसानों को मात्र दो से



तीन घंटे ही कृषि बिजली मिल रही है। वहीं, घरेलू बिजली भी दिन और रात में घंटों तक बंद रहती है, जिससे आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अल्प वर्षा के कारण किसानों के बोरिंग भी प्रभावित हुए हैं। ऐसे में किसानों को राहत देने के लिए एक माह का

अ र्थ ा इ ं क न े व श ा न उपलब्ध कराने की मांग की गई। इस दौरान पूर्व दुग्ध संघ अध्यक्ष मोतीसिंह पटेल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष संतोष ठाकुर, यादव, मुकेश सेन, मानसिंह नकुम, जितेंद्र बड़वाया, इंंदर जाधव, मोहनसिंह चौधरी, कैलाश जिरात, मेहरबान सिंह दांगी, रामचरण ठाकुर, रतन सिंह सोलंकी, युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष शाहिद मंसूरी, मोहंन खान, रेहान खान, संतोष तंवर, जितेंद्र देवा, उमराव सिंह पंवार, मनोहर ठाकुर, नरेंद्र मकवाना, नरेंद्र दरबार, सुमित पटेल और रामप्रसाद पंवार सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे। ज्ञापन का वाचन जिला कांग्रेस के पूर्व महामंत्री मिथलेश जोशी ने किया। कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजेश बड़वाया ने किया तथा आभार नगर कांग्रेस अध्यक्ष मजीद खान ने व्यक्त किया।

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुरलीधर कृपा हॉस्पिटल के सौजन्य से गीता भवन न्यास समिति बड़नगर द्वारा निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं होम्योपैथिक स्वास्थ्य शिविर दिनांक 15 अक्टूबर 2026 गुरुवार को संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पत्रकार ललित सोनी एवं डॉक्टर विजय पटेल मक्सी थे। सर्व प्रथम अतिथियों ने द्वीप प्रव्रलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। स्वागत भाषण संस्था अध्यक्ष हरकिशन मेलवानी ने दिए। शिविर में बीपी एवं शुगर की जांच डॉक्टर मोडीराम दोरया एवं डॉक्टर विनोद शास्त्री द्वारा की गई। शिविर में कुल 90 रोगियों का परीक्षण किया गया जिसमें से 32 नेत्र रोगियों को मोतिायबिंद ऑपरेशन हेतु मक्सी भेजा

गया। परीक्षण के अलावा विभिन्न रोगों की जांच डॉक्टर प्रवेश सोनी द्वारा की गई एवं निःशुल्क दवाई दी गई। शिविर में पाइल्स, आँख में डालने का गंगाजल एवं साइटिका की 35 मरीजों को निशुल्क दवाई विलरण की गई। शिविर में टूस्ट्री हरगोविंद मेलवणी, विनोद मकवाना, विराग मिश्रा, राजेंद्र कौशल, सुभाष गुप्ते तथा सेवादार दिलीप पंचाक्षरी, योगेश आचार्य, सतीश रघुवंशी, वीरेंद्र सिंह राठौड़, मंजू जैन, मंजू जायसवाल, हेमंत देशमुख, रमेशचंद्र मंडी आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रेमनारायण पोरवाल ने किया एवं आभार सतीश नीमा ने माना। उक्त जानकारी संजय कुमावत ने प्रदान की गई।

सांदीपनि विद्यालय बड़नगर में मुस्लिम विद्यार्थियों को ‘आतंकवादी’ कहने का आरोप, शिक्षिका के निलंबन की मांग

मुस्लिम समाज ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, निष्पक्ष जांच और कानूनी कार्रवाई की उठाई मांग

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के सांदीपनि विद्यालय में मुस्लिम विद्यार्थियों के साथ कथित धार्मिक भेदभाव और आपत्तिजनक टिप्पणी का मामला सामने आया है। विद्यालय में पदस्थ अतिथि शिक्षिका प्रियंका उपाध्याय पर कक्षा नौवीं के मुस्लिम विद्यार्थियों को ‘आतंकवादी’ कहने और पाकिस्तान चले जाने जैसी टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए मुस्लिम समाज ने बड़नगर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व धीरेंद्र पाराशर को ज्ञापन सौंपकर संबंधित शिक्षिका के तत्काल निलंबन, निष्पक्ष जांच और दोष सिद्ध होने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। बच्चों की गरिमा से जुड़ा मामला- मुस्लिम समाज की ओर से सौंपे गए ज्ञापन के अनुसार,

आयुक्त तकनीकी शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन तथा कलेक्टर जयति सिंह के मार्गदर्शन में सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत शासकीय पॉलिटेक्निक नक महाविद्यालय बड़वानी में तकनीकी मॉडल प्रदर्शनी, हैकार्थॉन एवं एक्सपर्ट लेक्चर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नवाचार, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तकनीकी दक्षता, समस्या-समाधान की क्षमता और उद्यमिता की भावना विकसित करना तथा उन्हें रोजगार पाने के साथ-साथ रोजगार सृजन के लिए प्रेरित करना था। जिले के दोनों तकनीकी महाविद्यालयों शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय बड़वानी एवं सेधवा, के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विषय विशेषज्ञों का मार्गदर्शन विषय विशेषज्ञ एवं मुख्य अतिथि जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र बड़वानी के महाप्रबंधक श्री एसएल सोलंकी ने केंद्र एवं मध्यप्रदेश शासन की स्वरोजगार, उद्योग स्थापना, स्टार्टअप और ऋण सहायता योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवा अपनी योग्यता, कौशल और नवाचार के बल पर स्वयं का उद्यम स्थापित कर सकते हैं, जिसके

आयुक्त तकनीकी शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन तथा कलेक्टर जयति सिंह के मार्गदर्शन में सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत शासकीय पॉलिटेक्निक नक महाविद्यालय बड़वानी में तकनीकी मॉडल प्रदर्शनी, हैकार्थॉन एवं एक्सपर्ट लेक्चर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नवाचार, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तकनीकी दक्षता, समस्या-समाधान की क्षमता और उद्यमिता की भावना विकसित करना तथा उन्हें रोजगार पाने के साथ-साथ रोजगार सृजन के लिए प्रेरित करना था। जिले के दोनों तकनीकी महाविद्यालयों शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय बड़वानी एवं सेधवा, के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विषय विशेषज्ञों का मार्गदर्शन विषय विशेषज्ञ एवं मुख्य अतिथि जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र बड़वानी के महाप्रबंधक श्री एसएल सोलंकी ने केंद्र एवं मध्यप्रदेश शासन की स्वरोजगार, उद्योग स्थापना, स्टार्टअप और ऋण सहायता योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवा अपनी योग्यता, कौशल और नवाचार के बल पर स्वयं का उद्यम स्थापित कर सकते हैं, जिसके

आयुक्त तकनीकी शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन तथा कलेक्टर जयति सिंह के मार्गदर्शन में सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत शासकीय पॉलिटेक्निक नक महाविद्यालय बड़वानी में तकनीकी मॉडल प्रदर्शनी, हैकार्थॉन एवं एक्सपर्ट लेक्चर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नवाचार, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तकनीकी दक्षता, समस्या-समाधान की क्षमता और उद्यमिता की भावना विकसित करना तथा उन्हें रोजगार पाने के साथ-साथ रोजगार सृजन के लिए प्रेरित करना था। जिले के दोनों तकनीकी महाविद्यालयों शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय बड़वानी एवं सेधवा, के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विषय विशेषज्ञों का मार्गदर्शन विषय विशेषज्ञ एवं मुख्य अतिथि जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र बड़वानी के महाप्रबंधक श्री एसएल सोलंकी ने केंद्र एवं मध्यप्रदेश शासन की स्वरोजगार, उद्योग स्थापना, स्टार्टअप और ऋण सहायता योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवा अपनी योग्यता, कौशल और नवाचार के बल पर स्वयं का उद्यम स्थापित कर सकते हैं, जिसके

विजयदशमी पर्व को लेकर आज दशहरा मैदान निरीक्षण किया



उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विजयदशमी पर्व को लेकर आज दशहरा मैदान निरीक्षण करने के लिए एसडीएम, रंजना पाटीदार मैडम,सीएसपी, विक्रम अहिरवार, उन्हेल तहसीलदार, नागेश्वर पवार, टी ई संतोष कुमार चौहान,

सीएमओ जितेंद्र राणा, ऐ ई, पार्थ पंचोली, कस्बा पटवारी विश्वेश्वर शर्मा, मंडी सचिव, आदि प्रशासनिक अधिकारियों की टीम ने मंडी प्रांगण में कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर समस्त संबंधित अधिकारियों को कार्यक्रम की व्यवस्थाओं के लिए दिशा निर्देश जारी किए, हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष धर्मेन्द्र चौधरी ने एसडीएम मैडम रंजना पाटीदार आर्डीएसएम विक्रम अहिरवार, तहसीलदार नागेश्वर पवार थाना उन्हेल टी ई, संतोष कुमार चौहान नगर परिषद सीएमओ जितेंद्र राणा मंडी सचिव आदि प्रशासनिक अधिकारियों को 20, अक्टूबर मंगलवार को विजयदशमी पर्व मंडी प्रांगण में भव्य रूप से प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी मनाया जाएगा जिसकी व्यवस्था सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस प्रशासन को साफ सफाई बिजली, पानी टैंकर फायर ब्रिगेड, की व्यवस्था नगर परिषद को करना है एंबुलेंस की व्यवस्था स्वास्थ्य विभाग के, बी, एम ओ, को करना है, कार्यक्रम पश्चात हजारों की भीड़ एक साथ निकलती है जिसकी सुरक्षा की दृष्टि से तहसीलदार साहब और राजस्व विभाग की पूरी टीम चौपाटी से नाव बस स्टैंड तक ट्रैफिक रोककर आम जनता को निकलने में मदद करना है निरीक्षण कर एसडीएम मैडम रंजना पाटीदार ने समिति को अस्वस्थ किया कि आपके कार्यक्रम की व्यवस्था में कोई भी प्रशासनिक अधिकारियों की तरफ से कमी नहीं रहेगी इस अवसर पर, हिंदू उत्सव समिति संरक्षक विकास जायसवाल, दिलीप मोदी, मंगेश वर्मा, ईश्वरलाल सोनी, उपस्थित थे।

पहाड़ों से लाई हिंगलाज माता, गरबो से हो रही आराधना



बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्राचीन हिंगलाज माता मंदिर रंगार सेरी बड़नगर में नवरात्रि पर महिलाओं द्वारा मधुर भजनों,गरबो से माता की आराधना की जा रही है पुजारी देवपुरी गोस्वामी ने बताया कि यह मंदिर लगभग 200 वर्ष पुराना है हिंगलाज माता का प्रमुख स्थान पाकिस्तान के बलूचिस्तान की दक्षिणी पहाड़ियों में स्थित है जिसे आज भी हिंदू मुस्लिम एकता का प्रतीक माना जाता है इसे नानी का हज भी कहा जाता है उन्होंने बताया

कि पुराने समय में गोस्वामी बंधु वहां यात्रा के लिए जाया करते थे और पूर्वजों द्वारा हिंगलाज माता की प्रतिमा वहां से लौकर बड़नगर में स्थापित की गई नव वर्ष में सुख शांति के लिए महाष्टमी को हवन होगा वही नवमी को मां कामाख्या की पूजा और कन्या भोज के साथ नवरात्रि महोत्सव का समापन होगा। नवरात्रि में माता के दर्शन व आराधना करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती है।

इंदौर में ‘द मैन बिहाइंड द वर्डिक्ट’ कार्यक्रम में बोले उज्जवल निकम

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पद्मश्री एवं राज्यसभा सांसद और देश के चर्चित विशेष लोक अभियोजक उज्ज्वल निकम ने कहा कि सच के साथ साहसपूर्वक खड़े रहना भी राष्ट्रभक्ति है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में कानून, न्यायिक प्रक्रिया और साक्ष्यों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि गंभीर आपराधिक मामलों में अभियोजन की जिम्मेदारी केवल अदालत में पक्ष रखने तक सीमित नहीं होती, बल्कि तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर न्याय सुनिश्चित करने की होती है। वे गुरुवार को इंदौर के रविंद्र नाट्य गृह में संस्था सार्थक द्वारा आयोजित विशेष संवाद कार्यक्रम ‘द मैन बिहाइंड द वर्डिक्ट’ में संबोधित कर रहे थे।

सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत जिला स्तरीय विज्ञान मॉडल एवं प्रोटोटाइप प्रदर्शनी का आयोजन

विद्यार्थियों ने नवाचार एवं तकनीकी कौशल का प्रदर्शन कर प्रस्तुत किए आकर्षक विज्ञान मॉडल

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम यूआईटी, आरजीपीवी झाबुआ में जिला स्तरीय विज्ञान मॉडल एवं प्रोटोटाइप निर्माण एवं प्रदर्शनी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने सहभागिता करते हुए विज्ञान एवं तकनीक पर आधारित नवाचारों और आकर्षक मॉडल का प्रदर्शन किया। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में नवाचार विकसित भारत के निर्माण का महत्वपूर्ण आधार है। विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, रचनात्मक सोच एवं समस्याओं के समाधान की क्षमता विकसित होना आवश्यक



करने के साथ ही उन्हें अनुसंधान, तकनीकी विकास एवं नवाचार की दिशा में आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करते हैं। महाविद्यालय स्तर पर उत्कृष्ट विज्ञान मॉडल पुरस्कृत-प्रतियोगिता के महाविद्यालय स्तर पर डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम यूआईटी, आरजीपीवी झाबुआ के श्री मोहम्मद नाजीम ने चैस मॉडल के लिए प्रथम स्थान प्राप्त कर 10 हजार रुपए की पुरस्कार राशि प्राप्त की। इसी संस्थान के श्री प्रियंक शुक्ला ने जेस्चर कंट्रोल मॉडल के लिए द्वितीय स्थान प्राप्त कर 5 हजार रुपए तथा शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज झाबुआ के श्री सचिन रावत एवं श्री लोकेश चौबे ने इलेक्ट्रिक जनरेशन ऑफ व्हीकल मॉडल के लिए तृतीय

स्थान प्राप्त कर 3 हजार रुपए की पुरस्कार राशि प्राप्त की। विद्यालय स्तर पर भी विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा- विद्यालय स्तर की प्रतियोगिता में आईपीएस स्कूल झाबुआ ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 10 हजार रुपए की पुरस्कार राशि प्राप्त की। अणु पब्लिक स्कूल थांदला ने फुट स्टेप इलेक्ट्रिसिटी जनरेटर मॉडल के लिए द्वितीय स्थान प्राप्त कर 5 हजार रुपए तथा वेस्ट टू एनर्जी जनरेशन मॉडल के लिए तृतीय स्थान प्राप्त कर 3 हजार रुपए की पुरस्कार राशि प्राप्त की। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया गया। प्रदर्शनी के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा, तकनीकी दक्षता एवं नवाचार क्षमता का परिचय दिया। इस दौरान सहायक कलेक्टर सुश्री आयुषी बंसल एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।



भैंसों हैं, जिनसे प्रतिदिन 400 लीटर से अधिक दूध का उत्पादन हो रहा है। उनके डेयरी फार्म में जाफराबादी एवं मुरां नस्ल की भैंसों के साथ गिर, एच.एफ. (होलस्टीन फ्रीजियन) एवं जर्सी नस्ल की गायें हैं। इसके अतिरिक्त वे उन्नत नस्ल के प्रजनन साँड़ों का भी पालन कर रहे हैं, जिससे क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण पशुधन विकास को बढ़ावा मिल रहा है। पशुपालन विभाग की योजना बनी पशुधन विकास में सहायक-श्री भूपेंद्र नायक को वर्ष 2018-19 में पशुपालन विभाग की समुन्नत मुरां पाड़ा योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त हुआ। योजना के तहत प्राप्त मुरां साँड़ से अब तक 400 से अधिक भैंसों का प्रजनन कराया जा चुका है। इसके अतिरिक्त उक्त साँड़ से उत्पन्न एक उत्कृष्ट पाड़े के माध्यम से भी 200 से अधिक पशुओं का प्रजनन कराया जा चुका है।

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत जिला स्तरीय साथिया समागम का आयोजन



झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत गुरुवार को जिला स्तरीय साथिया समागम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के समस्त विकासखंडों से चयनित साथिया, परामर्शदाता, एएनएम, मास्टर ट्रेनर एवं विभागीय अधिकारियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में किशोरावस्था के दौरान बालक-बालिकाओं में होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं हार्मोनल बदलावों, सामाजिक समस्याओं तथा नशी की लत से बचाव के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही किशोर-किशोरियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने, उनकी समस्याओं को समझने तथा अपने सहपाठियों को उचित मार्गदर्शन एवं परामर्श प्रदान करने के संबंध में जानकारी दी गई। इस दौरान किशोर स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए साथिया एवं परामर्शदाताओं को अपने क्षेत्र में किशोर-किशोरियों के बीच स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जितिन भागवत, डॉ. हेमendra देवड़ा, डॉ. सुमित डामोर, जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम) सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन एवं किशोर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों के लिए स्वास्थ्य विभाग के प्रति आधार व्यक्त किया गया।

सिकल सेल एनीमिया के खिलाफ जंग में एलोपैथी के साथ आयुष विभाग द्वारा एड-ऑन थेरेपी से मरीजों को मिल रहा नया जीवन



बड़वानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़वानी जिले में सिकल सेल एनीमिया का प्रबंधन आयुष विभाग द्वारा एड-ऑन थेरेपी के माध्यम से किया जा रहा है। आधुनिक एलोपैथिक उपचार को जोड़कर दी जा रही एड-ऑन थेरेपी, आनुवंशिक बीमारी से जूझ रहे मरीजों के लिए एक नई उम्मीद बनकर उभरी है। इस एकीकृत पहल के शानदार परिणामों परिलक्षित हो रहे हैं। क्या है सिकल सेल और आयुर्वेद की भूमिका सिकल सेल एनीमिया में लाल रक्त कोशिकाओं का आकार विकृत (हँसिया या सिकल के आकार का) हो जाता है, जिससे रक्त वाहिकाओं में रुकावट, गंभीर दर्द, सूजन, अत्यधिक थकान और बार-बार रक्त चढ़ाने की आवश्यकता पड़ती है। आयुर्वेद के दृष्टिकोण से यह बीमारी वात, पित्त और रक्त धातु की विकृति है। बड़वानी के आयुष औषधालयों और आयुष गिर्स में मरीजों को प्राथमिक एलोपैथिक उपचार (जैसे हाइड्रोक्सीयूरिया और फोलिक एसिड) के साथ तीन प्रमुख शास्त्रीय आयुर्वेदिक औषधियाँ दी जा रही हैं । 1. द्राक्षावलेह (रक्त प्रसाधन और पोषण) - काली द्राक्षा (मुनक्का) युक्त यह रसायन युक्त और प्लीहा के कार्य में सुधार करता है, भूख बढ़ाता है और हीमोग्लोबिन के स्तर को स्थिर रखकर क्रॉनिक फटीग (अत्यधिक थकान) को दूर करता है।

प्रसिद्ध कथावाचक मुरारी बापू ने ओंकारेश्वर के एकात्म धाम पहुंचकर किए आदि शंकरराय की प्रतिमा के दर्शन

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। अद्वैत वेदांत के महान प्रणेता आचार्य शंकर की पावन ज्ञान भूमि ओंकारेश्वर स्थित एकात्म धाम में गुरुवार को आध्यात्मिक जगत के प्रख्यात संत एवं मानस मर्मज्ञ मुरारी बापू का आगमन हुआ। भारत स्वस्तिक यात्रा के अंतर्गत एकात्म धाम पहुंचे मुरारी बापू ने यहाँ आदि शंकराचार्य की 108 फीट ऊंची भव्य एकात्मता की प्रतिमा के दर्शन किए और प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर अपनी श्रद्धा व्यक्त की। इस अवसर पर मुरारी बापू ने एकात्म धाम की परिकल्पना और यहाँ चल रहे कार्यों पर प्रसन्नता व्यक्त की। आदि शंकराचार्य का जीवन दर्शन और उनका अद्वैत वेदांत संपूर्ण मानव जाति के लिए कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है।



विभाग के अंतर्गत आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकाता ध्यास द्वारा ओंकारेश्वर में एकात्म धाम का भव्य निर्माण किया जा रहा है। परियोजना के प्रथम चरण के तहत ओंकारेश्वर में आचार्य शंकर की 108 फीट ऊँची बहुधातु से निर्मित एकात्मता की मूर्ति पहले ही स्थापित की जा चुकी है, जो आज देश-विदेश के पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र है। वहीं, द्वितीय चरण के अंतर्गत लगभग ₹2400 करोड़ की लागत से भव्य अद्वैत लोक संग्रहालय का निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है। यह संग्रहालय आचार्य शंकर के जीवन दर्शन, उनके विचारों और भारतीय सनातन संस्कृति के इतिहास को समर्पित होगा। आदि शंकराचार्य के विचारों और उनके विराट योगदान को जन-जन तक पुनः स्मरण कराने के संकल्प के साथ भारत स्वस्तिक यात्रा निकाली जा रही है। यह यात्रा आचार्य शंकर के जन्मस्थान कालांडी (केरल) और कन्याकुमारी से होती हुई उनकी ज्ञान भूमि ओंकारेश्वर पहुँची है, और यहाँ से यह अपनी अगली यात्रा के क्रम में केदारनाथ धाम तक प्रस्थान करेगी। इस यात्रा और मुरारी बापू के एकात्म धाम आगमन पर प्रमुख रूप से महामंडलेश्वर समदानंद बापजी,आवासीय आचार्य स्वामी भूमानंद सरस्वती,श्री श्री माँ पूर्णपूजा सहित श्री श्री रविशंकर गुरुकुल के आचार्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बड़नगर/ महेश सोनगर। दैनिक मालावा हेराल्ड। स्थानीय शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में शासन की योजना के अंतर्गत पात्र छात्राओं को निःशुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बड़नगर विधायक जितेंद्र उदय सिंह पंड्या रहे, जबकि अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष श्री अभय टोंग्या ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में जनपद उपाध्यक्ष अजब सिंह देवड़ा, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती अनिता वर्मा, भाजपा नगर अध्यक्ष अमित राठौर (नवीन) एवं युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष अंकित पाटोदी मंचासी रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना तथा अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात विद्यालय परिवार द्वारा समस्त अतिथियों का पुष्पमाला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर श्रीमती आकांक्षा शर्मा ने स्वागत प्रतीक प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में अतिथियों के कर-कमलों द्वारा पात्र छात्राओं को नवीन साइकिलों का वितरण किया गया। नई साइकिल पाकर छात्राओं के चेहरे खिल उठे।



संबोधन के दौरान मुख्य अतिथि विधायक श्री जितेंद्र उदय सिंह पंड्या ने कहा कि दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाली छात्राओं को आवागमन में सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासन द्वारा यह योजना चलाई जा रही है। साइकिल मिलने से छात्राओं का समय बचेगा और वे अपनी पढ़ाई पर बेहतर ध्यान केंद्रित कर सकेंगी। अध्यक्षीय उद्बोधन में नगर पालिका अध्यक्ष अभय टोंग्या ने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि शिक्षा ही सफलता की कुंजी है और नगर पालिका प्रशासन शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार के लिए सदैव तत्पर है। मंच पर उपस्थित अन्य विशिष्ट अतिथियों ने भी अपने

विचार व्यक्त कर छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के दौरान छत्र संघ के प्रतिनिधियों ने विद्यालय एवं छात्राओं से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर मुख्य अतिथि विधायक श्री पंड्या को एक ज्ञापन सौंपा। विधायक श्री पंड्या ने ज्ञापन स्वीकार करते हुए सभी समस्याओं के शीघ्र एवं उचित निराकरण का आश्वासन दिया। अरंभ में कार्यक्रम की संपूर्ण रूपरेखा एवं प्रस्तावना प्रमाणीकरण की प्रक्रिया विस्तार से समझाई गई। इस दौरान कृषि विभाग द्वारा बताया कि ग्राम पंचायत से ही 69 लोगों ने प्राकृतिक खेती के लिए पंजीयन कराया है। मिशन के तहत किसानों को दो मुख्य तरीकों से सहायता दी जा रही है। 5 सीधी आर्थिक सहायता - प्राकृतिक खेती अपनाने पर किसानों को प्रति एकड़ ₹4,000 प्रति वर्ग (2 वर्षों तक) का प्रोत्साहन। 5 बायो - इनपुट रिसोर्स सेंटर (कृष्ण) स्थानीय स्तर पर प्राकृतिक खाद व जैविक कीटनाशक निर्माण केंद्र खोलने के लिए ₹1 लाख तक की सहायता एवं निःशुल्क प्रशिक्षण। पशुपालन अंतर्गत बकरीपालन एवं युवाओं के लिए स्वरोजगार (मैत्री) पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों ने खेती के पूरक व्यवसाय के रूप में उन्नत पशुपालन और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के उपयोगों की जानकारी दी। चौपाल में उपस्थित ग्रामीण महिलाओं ने बकरी पालन योजना में विशेष रुचि दिखाई। बेरोजगार युवाओं को पशुपालन सेवाओं के विस्तार के लिए मैत्री कार्यकर्ता के रूप में प्रशिक्षित होकर कार्य करने की जानकारी दी, जिससे वे गाँवों में ही पशु चिकित्सा सेवाएँ प्रदान कर अपनी आजीविका का साधन अर्जित कर सकते हैं।

जब जिंदगी में आए सवाल, तो ‘शान्ति से पूछो’: निहार शान्ति आंवला ने इंदौर में पेश किया अपनी तरह का पहला एआई आधारित साथी

एआई और ग्राहकों की सोच व जरूरतों की गहरी समझ को साथ लाकर यह पहल महिलाओं को जिंदगी से जुड़े फैसले लेने और आत्मविश्वास के साथ सही विकल्प चुनने में मदद करती है

मुंबई। महिलाओं की जिंदगी में हर दिन आने वाले सवालों, फैसलों और अलग-अलग परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, निहार शान्ति आंवला ने ‘शान्ति से पूछो’ पहल शुरू की है। यह पहली तरह की एआई आधारित ब्रांड पहल है, जिसमें तकनीक और इंसानी समझ को साथ लाकर महिलाओं को अपने ‘मजबूत फैसले’ आसानी से लेने में मदद की जा रही है। इस पहल के जरिए ब्रांड ने ‘शान्ति’ नाम का एक डिजिटल साथी पेश किया है, जो महिलाओं को सलाह, भरोसा और एक अलग नजरिया देने में मदद करता है। इस तरह निहार शान्ति आंवला उन शुरुआती ब्रांडों में शामिल हो गया है, जो एआई का इस्तेमाल महिलाओं के लिए एक भरोसा देने वाला साथी तैयार करने में कर रहे हैं, ताकि वे रोजमर्रा की जिंदगी में बेझिझक अपनी बात कह सकें और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें।



बनने के लिए तैयार किया गया है, जो महिलाओं को ज्यादा भरोसे और स्पष्टता के साथ फैसले लेने में मदद करता है। तकनीक को लोगों की एक वास्तविक जरूरत से जोड़ने वाली यह पहल ग्राहकों की जिंदगी में असली मूल्य जोड़ने वाले समाधान तैयार करने के ब्रांड के प्रयासों को दर्शाती है। इसके माध्यम से ब्रांड ग्राहकों के साथ अपने रिश्ते को और मजबूत बनाने और उनके बीच बेहतर जुड़ाव तैयार करने पर ध्यान दे रहा है। इस अभियान पर बात करते हुए, विक्रम करवाल, चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, मैरिको लिमिटेड, ने कहा, “कई पीढ़ियों से निहार शान्ति आंवला महिलाओं की रोजमर्रा की जिंदगी का भरोसेमंद हिस्सा रहा है। ‘शान्ति से पूछो’ इसी विरासत को आगे बढ़ाने वाली पहल है, जिसमें ब्रांड की भूमिका को सिर्फ बालों की देखभाल से जुड़े समाधान देने से आगे बढ़ाकर एक ऐसे भरोसेमंद साथी के रूप में देखा गया है, जिससे महिलाएँ सलाह, भरोसे और हर दिन की मदद के लिए जुड़ सकती हैं। एआई और ग्राहकों की गहरी समझ को साथ लाकर हम यह समझने

की कोशिश कर रहे हैं कि ब्रांड ग्राहकों के साथ ज्यादा व्यक्तिगत और सार्थक रिश्ता कैसे बना सकता है, ताकि भरोसा मजबूत हो, जुड़ाव बढ़े और ब्रांड का उद्देश्य लोगों की जिंदगी में बेहतर तरीके से नजर आए।+ ‘शान्ति से पूछो’ के माध्यम से निहार शान्ति आंवला ने अपनी भूमिका को बालों की देखभाल से आगे बढ़ाया है। अब ब्रांड महिलाओं की जिंदगी में एक परिचित नाम से आगे बढ़कर ऐसा साथी बनने की कोशिश कर रहा है, जो उन्हें रोजमर्रा की उलझनों और जिंदगी से जुड़े बड़े फैसलों को ज्यादा भरोसे के साथ लेने में मदद करे। ‘शान्ति से पूछो क्लटसएप बॉट’ के माध्यम से ग्राहक एक आसान और परिचित डिजिटल माध्यम पर शान्ति से बातचीत कर सकते हैं। इसके लिए गूगल पर ‘शान्ति से पूछो’ खोजा जा सकता है या 9004002080 नंबर पर क्लटसएप सेंडेंस भेजा जा सकता है। इसके बाद ग्राहक क्लटसएप पर शान्ति से अपने सवाल पूछ सकते हैं और उसकी डिजिटल दुनिया से जुड़ सकते हैं। शान्ति शिक्षा, उद्यमिता और बालों की देखभाल जैसे कई विषयों और क्षेत्रों से जुड़े सवालों में मदद करने के लिए तैयार की गई है।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान अंतर्गत 16 अक्टूबर को रायपुरिया में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रायपुरिया थाने के सामने आयोजित होगा शिविर

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के अंतर्गत शुक्रवार, 16 अक्टूबर 2026 को पेटलावद विकासखंड के रायपुरिया में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रायपुरिया थाने के सामने जन-विश्वास शिविर एवं मैदानी भ्रमण का आयोजन किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित, सम्यग्बद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के साथ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना है।

इसके अंतर्गत लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत प्रदाय की जाने वाली सेवाओं, राजस्व विभाग से संबंधित नामांतरण, सीमांकन एवं बंटवारा, फार्मर आईडी, आयुष्मान कार्ड, समग्र आईडी ई-केवाईसी सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं नागरिक सेवाओं से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा की जाएगी। प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर पात्र हितग्राहियों की समस्याओं का यथासंभव मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। शासकीय संस्थाओं का निरीक्षण कर योजनाओं के क्रियान्वयन की होगी समीक्षा - अभियान के अंतर्गत मैदानी भ्रमण के दौरान विभिन्न शासकीय संस्थाओं का निरीक्षण कर विभागीय योजनाओं एवं सेवाओं के

क्रियान्वयन की स्थिति का जायजा लिया जाएगा। इस दौरान शासकीय संस्थाओं में उपलब्ध सुविधाओं, सेवाओं की गुणवत्ता तथा पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचने की स्थिति की समीक्षा की जाएगी। निरीक्षण के दौरान पाई जाने वाली कमियों के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे। जनसंवाद में नागरिकों एवं उद्यम संवाद में उद्यमियों से होगी सीधी चर्चा- अभियान के तहत जनसंवाद एवं उद्यम संवाद का भी आयोजन किया जाएगा। जनसंवाद के माध्यम से आम नागरिकों एवं हितग्राहियों से सीधे चर्चा कर उनकी समस्याओं, सुझावों एवं आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त की जाएगी। वहीं उद्यम संवाद

में स्थानीय उद्यमियों से स्वरोजगार, उद्योग एवं व्यवसाय से संबंधित विषयों, उपलब्ध अवसरों तथा उनके समझ आ रही समस्याओं के समाधान को लेकर चर्चा की जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा संबंधित विभागों को शिविर एवं मैदानी भ्रमण की आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने तथा अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। शिविर के माध्यम से आमजन की समस्याओं एवं लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करते हुए शासन की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पारदर्शी, संवेदनशील एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पहुंचाना सुनिश्चित किया जाएगा।

कृषक कल्याण वर्ष 2026 के तहत ग्राम बीजापुरी में 23वीं रात्रि चौपाल आयोजित

बड़वानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग बड़वानी द्वारा ग्रामीण अंचलों में लगातार रात्रि चौपालों का आयोजन कर किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों और शासकीय योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। इसी श्रृंखला में संघवा विकासखंड के ग्राम बीजापुरी में कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह के अध्यक्षता में 23वीं रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। प्राकृतिक खेती की ओर कदम, 69 किसानों ने करया पंजीयन ग्राम बीजापुरी में आयोजित चौपाल के दौरान नेशनल मिशन ऑन नैचुरल फार्मिंग (हल्ह्ख) के तहत प्राकृतिक खेती के पंजीयन एवं प्रमाणीकरण की प्रक्रिया विस्तार से समझाई गई। इस दौरान कृषि विभाग द्वारा बताया कि ग्राम पंचायत से ही 69 लोगों ने प्राकृतिक खेती के लिए पंजीयन कराया है। मिशन के तहत किसानों को दो मुख्य तरीकों से सहायता दी जा रही है। 5 सीधी आर्थिक सहायता - प्राकृतिक खेती अपनाने पर किसानों को प्रति एकड़ ₹4,000 प्रति वर्ग (2 वर्षों तक) का प्रोत्साहन। 5 बायो - इनपुट रिसोर्स सेंटर (कृष्ण) स्थानीय स्तर पर प्राकृतिक खाद व जैविक कीटनाशक निर्माण केंद्र खोलने के लिए ₹1 लाख तक की सहायता एवं निःशुल्क प्रशिक्षण। पशुपालन अंतर्गत बकरीपालन एवं युवाओं के लिए स्वरोजगार (मैत्री) पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों ने खेती के पूरक व्यवसाय के रूप में उन्नत पशुपालन और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के उपयोगों की जानकारी दी। चौपाल में उपस्थित ग्रामीण महिलाओं ने बकरी पालन योजना में विशेष रुचि दिखाई। बेरोजगार युवाओं को पशुपालन सेवाओं के विस्तार के लिए मैत्री कार्यकर्ता के रूप में प्रशिक्षित होकर कार्य करने की जानकारी दी, जिससे वे गाँवों में ही पशु चिकित्सा सेवाएँ प्रदान कर अपनी आजीविका का साधन अर्जित कर सकते हैं।

सड़क चौड़ीकरण में 2 दर्जन से ज्यादा मंदिरों पर संकट

अंकपात-खाकचौक मार्ग लाल निशान लगने पर भड़के पुजारी- समाधान नहीं निकला तो आंदोलन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के बीच सड़क चौड़ीकरण को लेकर प्राचीन मंदिरों के अस्तित्व पर संकट खड़ा हो गया है। अंकपात से खाकचौक जाने वाले मार्ग पर उज्जैन विकास प्राधिकरण (यूडीए) ने चौड़ीकरण के लिए मंदिरों और धर्मस्थलों पर लाल निशान लगाए हैं। करीब 45 फीट चौड़े मौजूदा मार्ग को 100 फीट तक चौड़ा करने की योजना है। इसकी जद में दोनों ओर स्थित दो दर्जन से अधिक प्राचीन मंदिर और धार्मिक स्थल प्रभावित होने की आशंका है।

विन्हित मंदिरों में उत्तरामुखी हनुमान मंदिर, पट्ट विनायक में शामिल अविघ्न विनायक गणेश मंदिर और हांडीफोड़ भैरव मंदिर भी हैं। निशान लगने के बाद पुजारियों ने आपत्ति जताते हुए प्रशासन से चौड़ीकरण की योजना पर पुनर्विचार करने की मांग की है। उनका कहना है कि सिंहस्थ के लिए विकास जरूरी है, लेकिन इसके नाम पर प्राचीन धार्मिक विरासत को नुकसान पहुंचाना उचित नहीं। बातचीत से समाधान

त्योहारों के मद्देनजर सफाई व्यवस्था की विशेष मॉनिटरिंग करें - स्वास्थ्य प्रभारी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी सदस्य श्री सत्यनारायण चौहान द्वारा गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए शहर की सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने तथा नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गए। श्री चौहान ने कहा कि त्योहारों के दौरान शहर में स्वच्छता बनाए रखना प्राथमिकता है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी सफाई व्यवस्था की सतत निगरानी करें। कर्मशियल क्षेत्रों में रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था का भी ध्यान रखें साथ ही शहर में लगने वाले साप्ताहिक हाट बाजारों में भी विशेष सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। आपने निर्देशित किया कि हाट बाजार समाप्त होने के बाद दुकानदार अपनी दुकानों से निकलने वाला कचरा, फल एवं सब्जियों के अवशेष निर्धारित स्थान पर ही डालें, ताकि बाजारों में गंदगी न फैले। प्रभारी सदस्य श्री चौहान ने कहा कि दुकानदारों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें सफाई बनाए रखने के लिए प्रेरित किया जाए। हाट बाजारों में कचरा संग्रहण के लिए निर्धारित स्थल पर एक अतिरिक्त कचरा संग्रहण वाहन खड़ा रखने की व्यवस्था की जाए, जिससे बाजार समाप्त होने के पश्चात दुकानदार आसानी से अपना कचरा वाहन में डाल सकें।

कान्ह डायवर्सन का काम 71 प्रतिशत पूरा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ के लिए कान्ह डायवर्सन का काम अगले वर्ष 30 मई तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। अब तक 71 प्रतिशत काम पूरा हुआ है। अधिकारियों ने निर्माण की गति बढ़ाने के लिए अतिरिक्त मशीनें लगाने के निर्देश दिए हैं।

वहीं, जिला चिकित्सालय के सामने बन रहे मेडिकल कॉलेज का 68 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। संभाग आयुक्त आशीष सिंह ने इसकी एकेडमिक बिल्डिंग, अस्पताल और छात्रावास का निर्माण जून 2027 तक पूरा करने को कहा गया है। बुधवार को हुई समीक्षा बैठक में उज्जैन विकास प्राधिकरण और जल संसाधन विभाग के निगम कार्यो की प्रगति देखी गई। यूडीए के प्रमुख कार्यों में मंगलनाथ, कालभैरव, अंगारेश्वर और सिद्धवट क्षेत्र का विकास, अंकपात से खाक चौक तक सड़क चौड़ीकरण, शंकरवासा से छोटी रपट तक पंचक्रोशी मार्ग और शनि मंदिर से जीवनखेड़ी तक सड़क निर्माण शामिल हैं। कालिदास अकादमी में डेम शेड भी बनाया जा रहा है। संभागायुक्त ने सभी कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी बांध और घाट निर्माण की भी समीक्षा की गई। सड़क निर्माण के दौरान बिजली की लाइनें स्थानांतरित करने और अन्य जरूरी कामों के लिए सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक बिजली बंद की जा सकेगी। इससे पहले संबंधित उपभोक्ताओं को सूचना देना अनिवार्य होगा। बैठक में कलेक्टर रोशन कुमार सिंह, संतोष टेंगौर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

कम बारिश से सूखे के हालात

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कम बारिश से फसलों पर संकट और जलस्रोतों में पानी की कमी का हवाला देते हुए भारतीय किसान संघ ने गुरुवार को कलेक्टोरेट में प्रदर्शन किया। किसानों ने उज्जैन जिले को सूखाग्रस्त घोषित कर विशेष राहत पैकेज देने की मांग उठाई। साथ ही खेती के लिए प्रतिदिन 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराने और हर खेत तक नर्मदा का पानी पहुंचाने की मांग को लेकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष बहादुर सिंह आंजना ने कहा कि जिले में कम बारिश के कारण खेती पर संकट गहरा रहा है। तालाबों, बांधों और नदियों में पानी की कमी से किसानों की चिंता बढ़ गई है। ऐसे में जिले को सूखाग्रस्त घोषित कर किसानों को आर्थिक राहत दी जानी चाहिए। संघ ने मांग की कि नर्मदा का पानी हर खेत तक पहुंचाने की व्यवस्था की जाए। इसके साथ ही सूखी नदियों और तालाबों को भी नर्मदा के पानी से भरने की योजना बनाई जाए, ताकि सिंचाई और जलसंकट की समस्या का स्थायी समाधान हो सके। प्रदर्शन कर रहे किसानों ने खेती के लिए प्रतिदिन कम से कम 10 घंटे बिजली देने की मांग की। उनका कहना है कि कम बारिश के बीच सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली और पानी मिलना जरूरी है। किसानों ने विशेष पैकेज घोषित कर आर्थिक सहायता देने पर भी जोर दिया। प्रदर्शन के दौरान संघ के पदाधिकारियों और किसानों ने मांगों के समर्थन में नारेबाजी की। एसडीएम पवन बारिया ने बताया कि भारतीय किसान संघ ने जिले को सूखाग्रस्त घोषित करने, किसानों को विशेष पैकेज देने और प्रतिदिन 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराने सहित अन्य मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा है। किसानों की मांगों को आगे भेजा जाएगा।

क्षेत्र के अन्य मंदिरों पर भी छह से सात मीटर तक हिस्से में निशान लगाए गए हैं। हालांकि, कितना निर्माण हटया जाएगा, यह अंतिम नपती और सीमांकन के बाद ही स्पष्ट होगा।

2004 के सिंहस्थ में भी मंदिरों को हुआ था नुकसान- पंडित हरिनारायण शास्त्री के मुताबिक, वर्ष 2004 के

सिंहस्थ में भी इस मार्ग का चौड़ीकरण किया गया था। तब कई मंदिरों के ओटले और अन्य हिस्से सड़क में चले गए थे। अब फिर चौड़ीकरण की योजना से मंदिरों के स्वरूप पर संकट मंडरा रहा है। पुजारियों का कहना है कि अंकपात क्षेत्र में सांदीपनि आश्रम सहित कई प्राचीन मंदिर हैं। इनका धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व है। मौजूदा सड़क को और चौड़ा करने से पहले मंदिरों को सुरक्षित रखने के विकल्प तलाशने चाहिए। वे विकास कार्यों के विरोध में नहीं हैं, लेकिन

सम्राट विक्रमादित्य काल में हुई थी नगरकोट माता मंदिर की स्थापना



स्कंद पुराण में तो मिलता ही है वहीं सम्राट विक्रमादित्य द्वारा स्थापित किए हुए देवी के

मंदिर भी शामिल है। इतिहास में इस बात का उल्लेख मिलता है कि उक्त नगरकोट माता मंदिर की भी स्थापना सम्राट विक्रमादित्य द्वारा ही की गई थी। स्कंद पुराण के अवतिका क्षेत्र महात्म्य में इसका उल्लेख मिलता है। स्कंद पुराण के अनुसार, 24 देवियों में से एक है नगर कोट माता का मंदिर। गोवर्धन सागर के पास स्थित मंदिर में माता की मूर्ति भव्य और मनोहारी है। मंदिर परमारकालीन माना जाता है। वहीं स्कंद पुराण के अवति खंड में वर्णित नौ मातृकाओं में से 7वीं देवी नगरकोट की माता

हैं। ये मंदिर उज्जैन शहर की उत्तर पूर्व दिशा में स्थित है । इस मंदिर में जल से परिपूर्ण एक कुंड है जो कि परमारकालीन माना जाता है । मंदिर में एक अन्य गुप्तकालीन मंदिर है जो कि शिवपुत्र कार्तिकेय का है। ऐसी मान्यता है कि उज्जैन में नवरात्रि में अन्य माता मंदिर के दर्शन नगरकोट की रानी माता के बगैर अधूरे माने जाते है । नगरकोट के परकोटे की रक्षिका देवी हैं नगरकोट की माता। मंदिर परमारकालीन माना जाता है,मंदिर परिसर में प्राचीन कुंड भी है, जो काफी गहरा है। इस कुंड के जल से ही देवी का अभिषेक पूजन किया जाता है। नवरात्रि में यहां रोजाना भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। मंदिर रोशनी से जगमगा रहा है।

किसान के घर में आधी रात लगी आग, जिंदा जली गर्भवती भैंस

किसान ने पड़ोस के युवकों पर जताया शक, पुलिस जांच में जुटी

रामप्रसाद मालवीय के अनुसार, दो दिन पहले उसके घर के पास स्थित अंबे माता मंदिर परिसर में कुछ युवक गाली-गलौज कर रहे थे। विरोध करने पर विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस हुई। किसान का आरोप है कि इसके बाद डमरू डगार, भवोेश, विष्णु और श्याम उसे चाकू मारने तथा जान से मारने की धमकियां देने लगे। इसी घटनाक्रम के बाद मकान में आग लगने से किसान को पुरानी रंजिश में साजिश की आशंका है।

रात एक बजे भड़की आग, नहीं बच सकी भैंस- किसान के मुताबिक, रात करीब एक बजे मकान में अचानक आग लग गई। आग की लपटें उठती देख परिवार में अफरा-तफरी मच गई। मकान के पास बंधी गर्भवती भैंस आग की चपेट में आ गई। परिवार और

48 साल बाद अपेक्स बैंक फीगंज शाखा की नए भवन में शुरू हुई सेवाएं, ए.के. बिल्डिंग चौराहे पर नवीन शाखा का शुभारंभ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में करीब 48 वर्षों से शहीद पार्क, फीगंज स्थित भवन से ग्राहकों को बैंकिंग सेवाएं दे रही मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक मर्यादित (अपेक्स बैंक) की फीगंज शाखा अब नए भवन में स्थानांतरित हो गई है। गुरुवार को ए.के. बिल्डिंग चौराहे पर स्थित नवीन शाखा भवन का विधिवत शुभारंभ बैंक के प्रबंध संचालक मनोज कुमार गुप्ता एवं विक्रम विश्वविद्यालय के कार्यपरिषद के सदस्य राजेश कुशवाहा ने किया। साथ में वरुण गुप्ता उपस्थित रहे वहीं नए भवन में ग्राहकों को बेहतर सुविधाओं के साथ आधुनिक बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध होंगी।

शाखा प्रबंधक सुनील सिंघल ने बताया कि अपेक्स बैंक की यह शाखा लंबे समय से शहर के

रही हैं। नवीन भवन में शाखा के संचालन से ग्राहकों को बेहतर वातावरण में बैंकिंग सेवाएं मिल सकेंगी। शुभारंभ समारोह में शहर के गणमान्य नागरिकों, बैंक के सम्मानित ग्राहकों और सहकारिता विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर बैंक की सेवाओं से जुड़े विशिष्ट ग्राहकों

को सम्मानित भी किया गया। अपेक्स बैंक की फीगंज शाखा का नए भवन में स्थानांतरण शहर में उसकी लंबी बैंकिंग यात्रा का नया पड़ाव है। बैंक का उद्देश्य ग्राहकों के विश्वास को कायम रखते हुए उन्हें सुविधाजनक और आधुनिक सेवाएं उपलब्ध कराना है।

नानाखेड़ा में 22 अक्टूबर को होगा रावण दहन, भूमि पूजन के साथ तैयारियां शुरू

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। असत्य पर सत्य की जीत और आसुरी प्रवृत्तियों के नाश के प्रतीक विजयदशमी पर्व को लेकर शहर में उल्लास है। इसी कड़ी में नानाखेड़ा स्थित रावण दहन स्थल पर भूमि पूजन के साथ लोकोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। यहां 22 अक्टूबर को शाम 7 बजे रावण दहन किया जाएगा।

आयोजन की शुरुआत समाजसेवी नारायण यादव ने रावण दहन स्थल पर गैंती चलाकर की। इस अवसर पर महामंडलेश्वर स्वामी शैलेशानंद गिरी महाराज ने कहा कि जब किसी विद्वान व्यक्ति का चरित्र पतन होने लगता है, तो उसका अंत निश्चित होता है, दशहरा पर्व हमें यही संदेश देता है। उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रवि

सोलंकी ने कहा कि एक बुराई ने रावण की सभी अच्छाइयों का अंत कर दिया था। इसी यूनाई पर अच्छाई की जीत के रूप में लोग रावण दहन करने एकत्रित होते हैं। विक्रम

विश्वविद्यालय की कार्य परिषद के सदस्य राजेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि सदियों से चली आ रही लोक परंपराओं का निर्वहन करते हुए आज भी प्रतीकात्मक रूप से रावण दहन कर बुराइयों का अंत किया जाता है। आयोजन समिति के प्रशांत द्रोणावत और रोमिल सिंह सिसोदिया ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि नानाखेड़ा रावण दहन संयोजक अभिषेक सिसोदिया की अगुवाई में यह आयोजन भव्य रूप से होगा।

ऑटो से आए बदमाशों ने युवक को किया अगवा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास गेट पर ऑटो से आए दो बदमाशों ने एक युवक को अगवा कर लिया और रेलवे स्टेशन पर ले जाकर मारपीट की युवक गंभीर घायल हुआ है पुलिस आरोपी बदमाशों की तलाश कर रही है। फिलहाल आरोपी फरार हैं उनके परिजनों से पूछताछ जारी है।

देवास गेट थाना पुलिस ने बताया कि शास्त्री नगर का रहने वाला सागर उर्फ जितेंद्र पिता अशोक चौहान देर शाम देवास गेट पर आया हुआ था उसी दौरान अन्नपूर्णा मंदिर के पास से ऑटो में आए दो बदमाशों ने उसे जबरदस्ती ऑटो में बैठाया और अपने साथ ले गए। रेलवे स्टेशन के आगे इंदौर गेट पर ले जाकर सागर के साथ बुरी तरह पाइप डंडे से मारपीट की गई और जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले। घायल के परिजनों को जानकारी लगी तो उन्होंने थाने आकरर मामले की शिकायत की पुलिस ने घायल युवक को तलाश किया और जानकारी ली इस दौरान सामने आया कि उसे करण और सूरज ने अगवा किया था। मामला पुराने विवाद से जुड़ा हुआ है पूर्व में भी विवाद होने पर नागझिरी, महाकाल और देवास थाने में प्रकरण दर्ज है। आरोपी सागर को दूसरे गुट के साथ नहीं रहने को लेकर लगातार दबाव बना रहे हैं इनके बीच आपस में दादागिरी करने का काफी समय से मामला चला आ रहा है। थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह परिहार ने बताया कि आरोपियों की तलाश में रात को कई ठिकानों पर दबिश दी गई लेकिन वह दोनों आरोपियों के परिजनों को थाने बुलाया गया है जिनसे पूछताछ कर उनके संबंध में जानकारी जुटा जा रही है जल्द दोनों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

डोडाचूरा के साथ हिरासत में आया युवक से रिमांड पर



उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रेलवे स्टेशन पर 28 किलो डोडा चुरा के साथ हिरासत में आए युवक को गुरुवार दोपहर न्यायालय में पेश कर रिमांड लिया गया। मादक पदार्थ तस्करी में शामिल अन्य लोगों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। युवक राजस्थान का रहने वाला है उसे बरामद मादक पदार्थ एक लाख कीमत का होना पाया गया है। जौआरपी थाना प्रभारी सुनील गुप्ता ने बताया कि संयुक्त रूप से की जा रही चैकिंग के दौरान प्लेटफार्म नम्बर 5 पर एक युवक को संदेह के आधार पर रोका गया और उसके पास मौजूद 2 बेगों की तलाशी ली गई। बेग में मादक पदार्थ डोडाचूरा मिलने पर उसे हिरासत में लिया गया। पूछताछ करने पर उसका नाम अजय कुमार पिता भंवरलाल निवासी अजमेर राजस्थान सामने आया। उसके पास मिला डोडाचूरा 28 किलो कीमत 1 लाख का है। मामले में एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण दर्ज किया गया है। कोर्ट में पेश कर रिमांड मांगा गया है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने मादक पदार्थ से भरे बेग देवासगेट बस स्टैंड परिसर से उठाये थे। उसे कॉल आया था और बेग रखे होने की जानकारी दी गई थी। निरीक्षक के अनुसार आरोपी ने नकूल किया कि वह पूर्व में भी चार बार मादक पदार्थ राजस्थान लेकर जा चुका है। उसे बेग ले जाने के एवज में रुपये मिलते है।

ऑनलाइन फ्रॉड: 6 लोगो को साइबर ठगों ने बनाया शिकार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। साइबर ठगी करने वालों ने उज्जैन के लोगों को अपने निशाने पर ले रखा है। किसी का मोबाइल हैक किया जा रहा है किसी को एपीके फाइल भेजी जा रही है। वूड्रो को झांसा दिया जा रहा है। पिछले दिनों हुई 6 लोगों के साथ लाखों की धोखाधड़ी के मामले में 24 घंटे के दरमियान 6 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। श्रीमन्नांज थाना क्षेत्र के ईदगाह मार्ग पर रहने वाले विष्णु पिता भगवान सिंह पवार के मोबाइल पर 12 अक्टूबर को एपीके फाइल आई थी जिसे डाउन्लोड करते ही साइबर ठगने खाते से 2.25 लाख निकाल लिए। विष्णु पवार ने मामले की शिकायत साइबर हेल्पलाइन पर दर्ज किए गए हैं। दूसरा मामला भी चिमनगंज थाना क्षेत्र के महालक्ष्मी विहार कॉलोनी में रहने वाले नीरज पिता दिनेश साहू के साथ हुआ। 28 सितंबर को साइबर ठगुर ने आरबीएल क्रेडिट कार्ड के नाम पर झांसा देकर नीरज के अकाउंट से 1.39 लाख रुपए का ट्रांजेक्शन कर लिया। दोनों मामलों में चिमनगंज थाना पुलिस ने मोबाइल धारकों के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है तीसरा मामला खाचरोद थाना पुलिस ने दर्ज किया है ग्राप

कान्ह डायवर्सन का कार्य मई 2027 तक पूर्ण करने के निर्देश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त श्री आशीष सिंह ने आज सिंहस्थ 2028 के लिए उज्जैन विकास प्राधिकरण तथा जल संसाधन विभाग द्वारा किए जा रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर श्री रोशन कुमार सिंह, सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांस कुम्ट, अपर आयुक्त नगर निगम श्री संतोष टेंगौर, अपर मेला अधिकारी श्री ओमप्रकाश सनोडिया, उप मेला अधिकारी श्री संदीप सिंह सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि उज्ैन विकास प्राधिकरण द्वारा किए जा रहे सिंहस्थ के प्रमुख कार्यों में चौराहों का विकास, मंगलनाथ मंदिर का विकास, कालभैरव मंदिर का विकास, अंगारेश्वर-सिद्धवट का विकास, अंकपात से खाक चौक तक का चौड़ीकरण, शंकरवासा से छोटी रपट पंचक्रोशी मार्ग, कालिदास अकादमी में डेम शेड का निर्माण तथा शनि मंदिर से जीवनखेड़ी तक की सड़क का निर्माण आदि शामिल हैं। संभागायुक्त ने इन सभी कार्यों की गति बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। बैठक में कान्ह डायवर्सन तथा सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी डेम निर्माण और घाट निर्माण कार्य की समीक्षा भी की गई। बैठक में बताया गया कि कान्ह डायवर्सन का 71 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। संभागायुक्त ने अतिरिक्त मशीनें लगाकर इस कार्य को 30 मई तक पूर्ण करने के लिए कहा है। इसी तरह जिला चिकित्सालय के सामने बन रहे मेडिकल कॉलेज का कार्य भी 68 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है।

नामामि गंगा प्रोजेक्ट के अंतर्गत सीवरेंज ट्रीटमेंट प्लांट शहर के लिए बहुउपयोगी प्रोजेक्ट - महापौर मुकेश टटवाल

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा नामामि गंगा परियोजना के तहत उज्जैन में क्षिप्रा नदी के संरक्षण के लिए सक्रिय रूप से प्रयासरत है परियोजना का उद्देश्य प्रदूषित जल को क्षिप्रा नदी में मिलने से रोकना एवं सिंहस्थ महापर्व के अंतर्गत क्षिप्रा नदी में स्वच्छ एवं स्वस्थ जल प्रवाह सुनिश्चित करना है। इसी क्रम में महापौर श्री मुकेश टटवाल एवं निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा द्वारा नामामि गो परियोजना के अंतर्गत निर्माणधीन सीवरेंज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) और 600 एमएम व्यास की डीआर के सीवेज पाइप मैन पाइपलाइन (९20 मीटर) लंबी और 2 हजार मीटर लंबी सीवेज वाटर ट्रीटमेंट पाइपलाइन का निर्माण किया जा रहा है महापौर मुकेश टटवाल ने द्वारा प्रस्तावित एवं सीवेज पाइपिंग स्टेशन के कार्यों का निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा कर संबंधित एजेंसी को सभी कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सोमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। नामामि गो परियोजना के अंतर्गत 82 करोड़ की लागत से आयुर्वेदिक धनवंतरी कॉलेज पीठ 22 एमएलडी सीवरेंज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) स्थापित किया जा रहा है साथ ही सीवेज पाइपिंग स्टेशन